घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 169- मंगलवार 21 - अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

भारत की परम्परा को समझने के लिए संस्कृत जानना अनिवार्य : भागवत

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2026। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संस्कृत वाणी को मनुष्य का कभी क्षय न होने वाला आभूषण बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं,बल्कि भारत की प्राचीन परंपरा,ज्ञान और जीवनदृष्टि की आधारशिला है। संस्कृत के माध्यम से ही भारत की सांस्कृतिक धरोहर को सही रूप में समझा और आगे बढ़ाया जा सकता है। संघ प्रमुख ने सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित संस्कृत भारती के केन्द्रीय कार्यालय 'प्रणव' का उदघाटन करते हुए यह विचार व्यक्त किए। अक्षय तृतीया के प्रातःकाल शुभ मुहूर्त में विधिविधान पूर्वक कार्यालय के उद्घाटन के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत ने इसे अत्यंत शुभ और प्रेरणादायक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि इस दिन प्रारंभ होने वाले कार्य अक्षय रहते हैं, इसलिए यह कार्यालय संस्कृत के प्रसार में दीर्घकालीन भूमिका निभाएगा। उल्लेखनीय है कि 'प्रणव' नाम सृष्टि के मूल नाद का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भवन और संसाधन कार्य के कारण बनते हैं,न कि कार्य इनसे चलता है। कार्यकर्ताओं की निष्ठा और समर्पण ही किसी संगठन की वास्तविक शक्ति है। कार्यालय का निर्माण कार्य की प्रगति का संकेत है, लेकिन इसे उद्देश्य नहीं बल्कि साधन के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं,बल्कि एक जीवंत परंपरा है। इस परंपरा को समझने और आगे बढ़ाने के लिए संस्कृत का ज्ञान अनिवार्य है। संस्कृत भारती का कार्य केवल भाषा सिखाना नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति और मूल्यों को समाज में स्थापित करना है। संघ प्रमुख ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि संस्कृत को कठिन मानना एक भ्रम है। भाषा सीखने का सबसे सहज तरीका संभाषण है। संस्कृत भारती द्वारा चलाए जा रहे संभाषण शिविरों ने अल्प समय में लोगों में संस्कृत के प्रति रुचि जागृत की है और यह कार्य आगे भी बढ़ाया जाना चाहिए।

मल्लिकार्जुन खरगे का तीखा हमला...कहा...

'क्या मोदी बंगाल के सीएम बनना चाहते हैं?'

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल की तपती गर्मी के बीच सियासत का पारा अब सातवें आसमान पर पहुंच गया है। कूच बिहार में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बंगाल दौरों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। खरगे ने तंज कसते हुए यहाँ तक पूछ लिया कि आखिर मोदी जी की मंशा क्या है? रैली में खरगे का रुख काफी आक्रामक था। उन्होंने पीएम मोदी की लगातार चुनावी सक्रियता पर निशाना साधते हुए कहा कि 'क्या मोदी जी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं या प्रधानमंत्री बने रहना चाहते हैं?' उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम लंबे समय से सिर्फ चुनावी कार्यक्रमों में व्यस्त हैं, जिससे देश के जरूरी सरकारी कामकाज और आधिकारिक फाइलों पर धूल जम रही है। खरगे ने सिर्फ दौरों पर ही नहीं, बल्कि 'नारी शक्ति' के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का वादा सिर्फ एक चुनावी शिगूफा साबित हो रहा है। 'दरअसल, महिला आरक्षण बिल को 2029 तक के लिए टालकर इसे कमजोर करने का काम किया गया है। हमने बिल का विरोध नहीं किया, बल्कि इसमें शामिल 'परिसीमन' वाली पेचीदगियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

पश्चिम बंगाल में राजनाथ सिंह ने कहा- भाजपा सत्ता में आई तो गुंडाराज समाप्त किया जाएगा

कोलकाता,20 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनती है, तो राज्य में गुंडाराज का अंत किया जाएगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, भय और हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया। बीरभूम जिले के सैंथिया में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त अवसर थे, लेकिन असामाजिक तत्वों ने पश्चिम बंगाल की स्थिति खराब कर दी। उन्होंने कहा कि एक समय राज्य में निवेशक आने को तैयार थे, लेकिन वर्तमान माहौल ने सब कुछ बदल दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो गुंडाराज समाप्त किया जाएगा।

जम्मू के उधमपुर में सड़क हादसा, 21 की मौत

यात्री बोले-तेज रफ्तार बस का टायर फटा,ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका,100 मीटर नीचे गिरी

उधमपुर,20 अप्रैल 2026। जम्मू के उधमपुर में सोमवार सुबह एक बस हादसे का शिकार हो गई। रामनगर से आ रही बस कगोत के पास सड़क से करीब 100 मीटर नीचे गिरकर पलट गई। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। बस में 50 यात्री सवार थे,जिनमें से ज्यादातर लोग रामनगर से उधमपुर में अपने रोजाना के काम पर जा रहे थे। 15 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बाकी 6 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों के मुताबिक बस ओवरलोड थी,रफ्तार भी तेज थी। कगोत नाले के पास अचानक बस का टायर फट गया। इससे ड्राइवर उसे कंट्रोल नहीं कर सका। और बस सड़क से नीचे गिर गई। हादसे में बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर बताया कि हादसे का शिकार हुई बस पब्लिक ट्रांसपोर्ट की थी। घायलों का इलाज जीएमसी ऊधमपुर में किया जा रहा है।

यात्री बोले...बस तेज रफ्तार में थी,टायर फटने से कंट्रोल छूटा

हादसे वाली जगह पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसे की वजह बस का ओवरलोड और तेज रफ्तार होना था। घायल यात्रियों से पूछा गया तो वे बोले कि ड्राइवर बहुत तेज बस चला रहा था। बस का टायर फटने से वह स्पीड कंट्रोल नहीं कर सका। जिसके कारण वह करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिर गई।

बस की चपेट में ऑटो भी आया

बस नीचे सड़क पर उलटी गिरने से पहले एक ऑटो-रिक्शा को कुचलती हुई गई। अधिकारियों ने बताया कि ऑटो-रिक्शा में सवार लोगों को चोटें आईं, लेकिन वे बच गए। हादसे के बाद उसी रास्ते से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने बचाव अभियान की कमान संभाली। बाद में एक हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से गाड़ी को सीधा किया गया।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने उधमपुर बस हादसे पर जताया दुःख, मृतकों के परिजनों को 2 लाख की सहायता का ऐलान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में हुए भीषण बस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, 'जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु के बारे में जानकर मुझे अत्यंत दुःख हुआ है। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति मैं शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि उधमपुर में बस हादसे में लोगों की मृत्यु की खबर से वे बेहद दुःखी हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

अच्छी सड़क और बेहतर रेल बनेगी विकसित भारत का आधार : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कहना है कि रेल व सड़कें केवल परिवहन के साधन ही नहीं हैं बल्कि आर्थिक राष्ट्रों की नींव हैं। बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का विकास आर्थिक विस्तार,सामाजिक समावेशन और राष्ट्रीय एकता के लिए महत्वपूर्ण उपकरण हैं। राष्ट्रपति भवन में भारतीय रेल के प्रोबेशनरी अधिकारियों तथा केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के सहायक कार्यपालक अभियंताओं से भेंट के दौरान यह बात कही।राष्ट्रपति से मिलने के लिए भारतीय रेल के 2022 और 2023 के अधिकारी जबकि केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के 2021, 2022, 2023 और 2024 बैच) के सहायक कार्यपालक अभियंता निमंत्रित किए गए थे। राष्ट्रपति ने इन अधिकारियों से कहा कि वे ऐसे समय में सार्वजनिक सेवा में आए हैं जब देश 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारतीय रेलवे और केंद्रीय इंजीनियरिंग सेवा (सड़कें) के युवा अधिकारियों के रूप में उनके निर्णय और कार्य सीधे तौर पर करोड़ों नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करेंगे।

पचपदरा रिफाइनरी में आग के बाद पीएम का दौरा स्थगित

सीडीयू-वीडीयू से कर्मचारियों को बाहर निकाला,मोदी इसी यूनिट का करने वाले थे उद्घाटन

बालोतरा,20 अप्रैल 2026। राजस्थान की बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में उद्घाटन से एक दिन पहले आग लग गई। सोमवार दोपहर 2 बजे रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी। धुएं का गुबार उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू कर दिया था। मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी इसी यूनिट का उद्घाटन करने वाले थे। आग के बाद पीएम का दौरा स्थगित हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। करीब दो घंटे तक आग की लपटें उठती रहीं। आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इस दौरान करीब 10 से 12 फायर ब्रिगेड से एक साथ पानी की बौछार की गई। सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को खाली करा लिया गया था। कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड में पाइप लाइन से आने वाला कच्चा तेल इसी यूनिट में आता है। इस यूनिट में क्रूड ऑयल रिफाइन होकर अलग-अलग यूनिट में भेजा जाता है। अधिकारियों ने बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के बाद ही नुकसान और इसके कारणों का आकलन किया जा सकेगा। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

जिस यूनिट का पीएम मोदी उद्घाटन करते, उसी में लगी आग

रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी। यूनिट में तैनात इंजीनियर्स ने बताया कि सीडीयू-वीडीयू यूनिट का ही मंगलवार को पीएम मोदी उद्घाटन करने वाले थे,उसी में आग लगी है। रिफाइनरी में करीब दो घंटे तक आग की लपटें उठती रहीं। दावा किया जा रहा है कि दो घंटे बाद आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। यहां करीब 10 से 12 फायर ब्रिगेड से एक साथ यूनिट पर पानी डाला गया।

चारधाम यात्रा के पहले ही दिन 2 श्रद्धालुओं की मौत

यमुनोत्री की चढ़ाई के दौरान बुजुर्ग की सांस फूली,महिला घोड़े से गिरी...

उत्तरकाशी,20 अप्रैल 2026। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के पहले ही दिन दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। दोनों घटनाएं उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री धाम मार्ग पर हुईं। मध्य प्रदेश से अपने पति के साथ यात्रा पर आई एक महिला की घोड़े से गिरने के कारण मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गिरने से महिला के सिर पर गंभीर चोट लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने 'ब्रॉट डेड' घोषित कर दिया।वहीं,महाराष्ट्र से आए एक बुजुर्ग श्रद्धालु की पैदल चढ़ाई के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई। चढ़ाई करते समय उन्हें सांस लेने में गंभीर दिक्कत हुई। परिजन और प्रशासन की मदद से उन्हें तुरंत जानकीचट्टी स्थित अस्पताल पहुंचाया गया,लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. हरदेव सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में बुजुर्ग की मौत का कारण सांस संबंधी बीमारी और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी माना जा रहा है। पुलिस अधिकारी एसआई राजेश कुमार ने बताया कि पहले मृतक के साथ आए अन्य यात्री दर्शन के लिए आगे बढ़ गए हैं। मृतक की पहचान नासिक, महाराष्ट्र निवासी 67 वर्षीय उदम ताम्बे के तौर पर हुई है। डी.जी.पी. नगर निवासी गजानन्द ताम्बे के पुत्र उदम ताम्बे की तबीयत जानकीचट्टी के पास अचानक बिगड़ी,जिसे अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार,उनकी मृत्यु का कारण हाई ब्लड प्रेशर संबंधी समस्या बताया जा रहा है, जिसकी आधिकारिक सूचना पीएचसी (प्राइमरी हेल्थ सेंटर) जानकीचट्टी द्वारा पुलिस चौकी को दे दी गई है। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर हादसे का शिकार हुई महिला की पहचान 40 वर्षीय प्रतिमा मिश्रा के रूप में हुई है,जो इंदौर,मध्य प्रदेश की रहने वाली थीं।

विधानसभा चुनाव और उपचुनावों के लिए 'ड्राई-डे' घोषित....

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2026। निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने के लिए मतदान और मतगणना के दिनों में 'ड्राई-डे' (शराबबंदी) के संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव के मद्देनजर दोबारा से यह निर्देश जारी किए गए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार 15 मार्च 2026 को असम,केरल,पुडुचेरी,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव तथा 6 राज्यों में उपचुनावों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (पहला चरण) राज्यों में मतदान 23 अप्रैल को निर्धारित है जबकि बंगाल के दूसरे चरण के लिए मतदान 29 अप्रैल को होगा। इसके अलावा, सभी मतदान करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वोटों की गिनती 4 मई को होगी। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135सी का हवाला देते हुए आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय से 48 घंटे पहले संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में शराब की बिक्री और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

चिप्स से लेकर शिप्स तक,भारत-कोरिया मिलकर नए अवसर साकार करेंगे : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2026। भारत और दक्षिण कोरिया ने अपने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को अपग्रेड करने के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई। यह निर्णय वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और व्यापारिक व्यवधानों के बीच दोनों देशों के आर्थिक सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग के बीच सोमवार को हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह घोषणा की गई। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और अन्य महत्वपूर्ण समझौतों का आदान-प्रदान भी हुआ। हैदराबाद हाउस में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'चिप्स से लेकर शिप्स, टैलेंट से लेकर टेक्नोलॉजी,एंटरटेनमेंट से लेकर एनर्जी–भारत और कोरिया मिलकर सहयोग के नए अवसरों को साकार करेंगे।' उन्होंने इस यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों के लिए 'महत्वपूर्ण मोड़' बताते हुए कहा कि दोनों देश अपनी साझेदारी को एक 'भविष्य उन्मुख' दिशा में ले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 50 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों देशों ने कई अहम कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की है, जिनमें 'भारत-कोरिया वित्तीय मंच' की स्थापना भी शामिल है। डिजिटल और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए 'इंडिया-कोरिया डिजिटल ब्रिज' पहल शुरू करने की घोषणा की गई है।

इसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयास किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और कोरिया के बीच हजारों वर्ष पुराने ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने अयोध्या की राजकुमारी सूरीरत्ना और कोरिया के राजा किम-सुरो की कथा का जिक्र करते हुए इसे साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भारत में कोरियाई पॉप संस्कृति और धारावाहिकों की लोकप्रियता बढ़ रही है, जबकि कोरिया में भारतीय सिनेमा और संस्कृति के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। दोनों देशों ने वर्ष 2028 में 'भारत-कोरिया मैत्री महोत्सव' आयोजित करने की भी घोषणा की,जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और बढ़ावा मिलेगा। वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

झाड़ग्राम में प्रधानमंत्री मोदी का झालमुड़ी खरीदना,सब नाटक है : ममता बनर्जी

कोलकाता,20 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल में रविवार को झाड़ग्राम में सभा के समाप्त होने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सड़क किनारे एक दुकान से 10 रुपये की झालमुड़ी खरीदकर खाने को लेकर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखा हमला बोला है। ममता ने सोमवार को बीरभूम के मुरारई की जनसभा से कहा कि यह पूरा घटनाक्रम पहले से तय किया गया नाटक था। ममता ने आरोप लगाया कि दुकान पर पहले से कैमरा और ध्वनि उपकरण लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात विशेष सुरक्षा दल के लोगों ने ही झालमुड़ी बनाई। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रधानमंत्री जेब में 10 रुपये लेकर चलते हैं। मुख्यमंत्री ने सभा में कहा कि दुकान में पहले से सब व्यवस्था कर दी गई थी। कितना नाटक करेंगे? कभी चुनाव के समय गुफा में बैठते हैं, कभी कहते हैं मैं चाय बेचने वाला हूं, अब 10 रुपये निकालकर झालमुड़ी खा रहे हैं।

थूथुकुडी में बरसे राहुल गांधी...आरएसएस को बताया तमिल विरोधी

कहा...तमिलनाडु में नहीं चलने देंगे बीजेपी का बिहार मॉडल

चेन्नई,20 अप्रैल 2026। तमिलनाडु में चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के थूथुकुडी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर तीखे हमले किए। राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा, आरएसएस तमिल विरोधी और द्रविड़ विरोधी संगठन है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा का मानना है कि भारत एक लोग, एक संस्कृति,एक धर्म और एक भाषा वाला देश होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एआईएडीएमके की वर्तमान स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुरानी एआईएडीएमके, जो तमिलनाडु के लोगों की सेवा करती थी,अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। राहुल के अनुसार,आज की एआईएडीएमके सिर्फ एक खोखला ढांचा बनकर रह गई है और भाजपा इस पार्टी का इस्तेमाल तमिलनाडु की राजनीति में घुसने के लिए करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एआईएडीएमके के नेता भ्रष्टाचार की वजह से कमजोर पड़ गए हैं। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर भाजपा तमिलनाडु में अपनी जगह बनाना चाहती है। राहुल ने दावा किया कि जो लोग अभी एआईएडीएमके को चला रहे हैं, उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी तरह नियंत्रित करते हैं। रैली में राहुल गांधी ने बिहार की राजनीति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाकर भाजपा के आदमी को वहां बैठा दिया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के पुराने कामों की वजह से भाजपा उन्हें पूरी तरह काबू कर रही है। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार ने एक शब्द भी नहीं कहा और चुपचाप राज्यसभा चले गए। राहुल ने आगे कहा,भाजपा तमिलनाडु में भी यही बिहार मॉडल दोहराना चाहती है। वे तमिलनाडु में ऐसी सरकार चाहते हैं जिसे वे पूरी तरह अपने इशारों पर नचा सकें। वे यहां एक ऐसा मुख्यमंत्री चाहते हैं जो वही करे जो भाजपा कहे।

राहुल ने साफ शब्दों में कहा कि वे तमिलनाडु में भाजपा को कभी भी ऐसी कठपुतली सरकार नहीं बनाने देंगे। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप खुलेआम कहते हैं कि पीएम मोदी उन्हें फोन करते हैं और 'सर' कहकर बुलाते हैं।

संपादकीय

विकास की ओर माओवाद मुक्त क्षेत्र

रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे,जगदलपुर-रावघाट रेलमार्ग और हवाई सेवाओं के विस्तार से बस्तर देश की मुख्यधारा से जुड़ेगा...यह कनेक्टिविटी न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि रोजगार और निवेश के नए अवसर भी पैदा करेगी...

भारतीय इतिहास में 31 मार्च, 2026 का दिन सशस्त्र माओवाद के खात्मे के रूप में दर्ज हो चुका है। इस दिन देश ने माओवादी आतंक के विरुद्ध निर्णायक सफलता हासिल की। यह लोकतंत्र,सुशासन और विकास के उस व्यापक सोच की विजय है,जिसने वर्षों से हिंसा से जूझ रहे बस्तर को एक नई दशा और दिशा दी है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक स्पष्ट नीति और दृढ़ नेतृत्व को श्रेय जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने माओवाद के प्रति शून्य सहनशीलता और विकास आधारित समाधान की नीति अपनाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने न केवल रणनीतिक स्तर पर इस अभियान का मार्गदर्शन किया,बल्कि कई बार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जाकर जवानों और स्थानीय लोगों का मनोबल भी बढ़ाया। इस पूरे अभियान में हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और बस्तर की जनता के सहयोग ने इस लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई।

सरकार की रणनीति का महत्वपूर्ण पहलू संवाद और पुनर्वास रहा है। यह संदेश दिया गया कि जो लोग हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में आना चाहते हैं, उनके लिए सरकार के द्वार खुले हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव यह रहा कि बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर सामान्य जीवन अपनाया। ऐसे लोग जो केवल हिंसा की भाषा समझते थे,उनके विरुद्ध सुरक्षा बलों ने सख्त कार्रवाई भी की। सुधाकर,बसवराजू जैसे शीर्ष माओवादी नेतृत्व को न्यूट्रलाइज करने से माओवादी आतंक की कमर टूट गई। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री जी द्वारा कार्ययोजना बनाकर माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया। सड़क,बिजली,दूरसंचार,स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं उन क्षेत्रों तक पहुंचीं,जहां कभी शासन की उपस्थिति नहीं थी। पिछले ढाई साल में डबल इंजन की सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को माओवाद प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सुरक्षा कैंपों के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 525 गांवों में नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत 17 विभागों के माध्यम से 25 हितग्राही मूलक और 18 सामुदायिक योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के पुनर्वास के लिए बनी प्रभावी नीति ने उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर दिया है। जो लोग बंदूक छोड़कर मुख्यधारा में लौटे हैं,उन्हें आर्थिक सहायता,आवास, भूमि,कौशल प्रशिक्षण,रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित माओवादियों और माओवाद प्रभावित परिवारों के लिए 15 हजार प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति माओवाद विरोधी अभियान के मानवीय पक्ष का बेहतरीन उदाहरण है। आज बस्तर में सांस्कृतिक पुनर्जागरण को दुनिया देख रही है। बस्तर ओलिंपिक और बस्तर पंडुम ने बस्तर अंचल को एक नई पहचान दी है। इसमें लाखों की संख्या में लोगों की भागीदारी ने जनजातीय संस्कृति को एकसूत्र में पिरोया है।

माओवादी हिंसा की वजह से सड़क नेटवर्क के विस्तार को सबसे ज्यादा क्षति पहुंची थी। अब हम सर्वोच्च प्राथमिकता से सड़क नेटवर्क की बेहतरी पर काम करेंगे। रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे,जगदलपुर-रावघाट रेलमार्ग और हवाई सेवाओं के विस्तार से बस्तर देश की मुख्यधारा से जुड़ेगा। यह कनेक्टिविटी न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगी,बल्कि रोजगार और निवेश के नए अवसर भी पैदा करेगी। स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल की गई है। अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी और गीदम में मेडिकल कालेज जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। नए बजट में सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से कृषि क्षेत्र को भी सशक्त किया जा रहा है,जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। बस्तर अंचल के युवाओं और आत्मसमर्पित माओवादियों को रोजगार-व्यवसाय का प्रशिक्षण देने के लिए सभी विकासखंडों में कौशल प्रशिक्षण केंद्र संचालित कर रहे हैं, जहां एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार-व्यवसाय के विभिन्न ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। बस्तर में कृषि, वनोपज और इसके प्रसंस्करण की बड़ी संभावनाएं हैं।

बस्तर में एग्रो एवं एग्रो फारेस्ट प्रोसेसिंग क्षेत्र में निवेशकों को विशेष अनुदान दिया जाएगा। इससे वनोत्पाद के मूल्य संवर्धन से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अब हमारा पूरा फोकस माओवाद मुक्त हो चुके क्षेत्रों के समग्र विकास पर है। इसके लिए नियद नेल्ला नार 2.0 पर हम काम करेंगे। पहले की योजना में केवल सात माओवाद प्रभावित जिले शामिल थे,अब इसमें 10 जिले शामिल होंगे। हमने बस्तर मुन्ने नाम से एक नई पहल की है, जिसका गोंडी भाषा में अर्थ होता है अग्रणी गांव। इसमें हम बस्तर के हर ग्राम पंचायत में शिविर लगाकर लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देंगे। अभी बस्तर के 85 प्रतिशत परिवारों की आय 15 हजार रुपये प्रतिमाह से कम है। हम केंद्र की मदद से इसे अगले तीन वर्षों में 30 हजार रुपये प्रति माह तक पहुंचाने की योजना पर काम करेंगे। इसमें एनआरएलएम,सहकारी समितियां,कृषक उत्पादक संगठन, वनधन विकास केंद्र एवं कौशल विकास पहल की अहम भूमिका होगी। माओवाद की समाप्ति के साथ बस्तर प्रदेश और देश की तरक्की का केंद्र बनने जा रहा है।

जब व्यवस्था बोलती है,तो नाम सिविल सेवकों का होता है...

कृति आर.के.जैन
बड़वानी,मध्यप्रदेश

प्रशासन नहीं,परिवर्तन का विज्ञान : सिविल सेवा दिवस
फाइलों के पीछे की फौज : जो भारत को हर दिन चलाती है...

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस उस अदृश्य शक्ति का उत्सव है जो देश की शासन व्यवस्था को गति,स्थिरता और दिशा प्रदान करती है। 21 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिन उन सिविल सेवकों के योगदान को रेखांकित करता है,जो केवल प्रशासनिक पदों पर नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में कार्य करते हैं। ये अधिकारी योजनाओं को नीति-पत्रों से निकालकर समाज की वास्तविक जरूरतों से जोड़ते हैं और विकास को जमीनी स्तर पर जीवंत बनाते हैं। संकट की घड़ी हो या विकास की चुनौती,उनकी त्वरित निर्णय क्षमता और निष्ठा पूरे राष्ट्र को संतुलन और विश्वास देती है। यह अवसर हमें उनके मौन लेकिन प्रभावशाली योगदान को समझने और एक ऐसे प्रशासन के निर्माण का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है,जो अधिक उत्तरदायी,संवेदनशील और जनकेंद्रित हो।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का ऐतिहासिक आधार उतना ही प्रेरक है जितना इसका वर्तमान संदेश। 21 अप्रैल 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने दिल्ली के मेटकाफ हाउस में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के प्रथम बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने उन्हें 'देश का स्टील फ्रेम' (स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया) कहा, जो एक मजबूत,निष्पक्ष और ईमानदार प्रशासन की राष्ट्र निर्माण में अनिवार्य भूमिका को दर्शाता है। उनका यह संदेश सिविल सेवकों के लिए निर्भीकता, निष्पक्षता और जनसेवा की स्पष्ट दिशा बन गया। यह दिवस उसी विचार को जीवंत करता है,जब प्रशासनिक सेवाओं के महत्व को पुनः स्मरण करते हुए उनके योगदान को सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया जाता है तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका को और अधिक सशक्त करने का संकल्प लिया जाता है।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का उद्देश्य सिविल सेवकों के योगदान को सम्मान देना ही नहीं,बल्कि उन्हें जनसेवा में अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनने की प्रेरणा देना है। इस अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/जिलों/संगठनों को प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं, जो उनके उल्लेखनीय प्रयासों और सफल क्रियान्वयन का सम्मान है। यह सम्मान न केवल उनकी मेहनत को मान्यता देता है, बल्कि पूरे प्रशासन तंत्र में बेहतर कार्य की प्रेरणा भी पैदा करता है। साथ ही यह दिन पारदर्शिता,जवाबदेही और जन-केंद्रित शासन को मजबूत करने का संदेश देता है,ताकि सरकारी योजनाएँ बिना बाधा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच सकें।भारत जैसे देश में, जहाँ सामाजिक,सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता अत्यधिक है,सिविल सेवकों की भूमिका केवल प्रशासन तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवनरेखा के समान है। वे नीतियों को लागू करने वाले साधारण कार्यकर्ता नहीं,बल्कि समानता,न्याय और सामाजिक सद्भाव के वास्तविक रक्षक हैं। विकास योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाना, वंचित और कमजोर वर्ग के अधिकारों को सुनिश्चित करना तथा समाज को एकता के सूत्र में बाँधना–ये सभी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ उनके कंधों पर होती हैं। संकट के समय उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। चाहे कोविड-19 जैसी महामारी हो,बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ हों या कोई अन्य राष्ट्रीय संकट,सिविल सेवक सदैव अग्रिम पंक्ति में रहकर देश को संभालते हैं। उनकी अटूट निष्ठा,समर्पण और कर्तव्यपरायणता ही भारत को हर कठिन परिस्थिति में स्थिरता और प्रगति की दिशा प्रदान करती है। आज का समय तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल नवाचार का युग है,जिसने सिविल सेवकों की जिम्मेदारियों को पहले से अधिक व्यापक और जटिल बना दिया है। अब उन्हें पारंपरिक प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाकर शासन को अधिक पारदर्शी,तेज और प्रभावी बनाना होता है। डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने ई-गवर्नेंस को मजबूत किया है, जिससे ऑनलाइन सेवाएँ, डिजिटल लेन-देन और सरल प्रक्रियाएँ जनता तक सुविधाजनक रूप से पहुँच रही हैं। साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और डिजिटल जागरूकता जैसी नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। ऐसे में सिविल सेवकों का दायित्व है कि वे इन चुनौतियों का समाधान करते हुए प्रशासन को अधिक सक्षम,जन-केंद्रित और भविष्य उन्मुख बनाएँ, ताकि भारत एक सशक्त डिजिटल राष्ट्र के रूप में निरंतर आगे बढ़ सके।

आज सिविल सेवकों के सामने सामाजिक-आर्थिक असमानता,पर्यावरणीय संकट और जनसंख्या वृद्धि जैसी गंभीर चुनौतियाँ हैं,जिनके लिए दीर्घकालिक और प्रभावी समाधान जरूरी हैं। इनसे निपटने के लिए नवाचार,सहयोग और दूरदर्शी सोच अपनाना आवश्यक है। आदर्श सिविल सेवक वही है जो निष्पक्षता,ईमानदारी और जवाबदेही के साथ जनहित को सर्वोपरि रखे। राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस इस विचार को मजबूत करता है और प्रशासन में सुधार,दक्षता और पारदर्शिता पर चिंतन का अवसर देता है। निरंतर प्रशिक्षण,तकनीकी दक्षता और मजबूत व्यवस्था से सिविल सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है तथा जन-केंद्रित दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि प्रशासन वास्तव में जनता के हित में कार्य करे।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस सिविल सेवकों के लिए आत्मचिंतन और कर्तव्यनिष्ठा को पुनः जागृत करने का प्रेरक अवसर है। यह दिन सरदार वल्लभभाई पटेल के उस विचार को फिर से सशक्त करता है,जिसमें उन्होंने निष्पक्षता, ईमानदारी और जनता के प्रति जवाबदेही को सुशासन की आधारशिला बताया था। इस अवसर पर सिविल सेवकों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे देश, संविधान और नागरिकों के हित में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उनकी यह निष्ठा ही भारत को मजबूत,समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने में आधार बनती है। यह दिवस उनके योगदान को सम्मान देने के साथ यह विश्वास भी जगाता है कि सिविल सेवाएँ ही राष्ट्र की एकता और विकास की वास्तविक शक्ति हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता : सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों,नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया,तो यह विश्व में विभाजन,भय,हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है। वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम,तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं,जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है,जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं,बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय,अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं,बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे,बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना,ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा,आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए,जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं,वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा,तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता,गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे।

अफसाना

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्य प्रदेश

रूख़सार का चेहरा नीचे की तरफ़ जैसे ज़मीन में धंसता जा रहा था, नाज़िया जा चुकी थी...

खंडवा कॉलेज की सर्द शामों की यादें खंडवा के उस पुराने कॉलेज परिसर की सर्द शामें आज भी मेरे दिमाग़ के किसी गहरे कोने में ताज़ा महक रखी हुई हैं,मानो कोई पुरानी शायरी की किताब खुली पड़ी हो। बी.एड. ट्रेनिंग का वो सुनहरा दौर था, जब जिंदगी एक खुली किताब-ए-हस्ती की तरह मुनव्वर और रहस्यमयी लगती थी। कॉलेज का वो विशाल हॉल,जहाँ चॉक की खटखट और छात्रों की हल्की-फुल्की हँसी हमेशा गूँजती रहती, और बाहर विशाल बरगद के पेड़ों की छाँव तले स्कूल के मासूम बच्चे बेफिक्र होकर खेलते नज़र आते। मुझे आज भी याद है,जब क्लास लेने आता,तो कॉलेज के खुले आँगन में सूरज की नारंगी-लाल लालिमा दीवारों पर बिखर जाती,वो दृश्य किसी नई प्रेम कहानी की शुरुआत जैसा था,जहाँ हवा में भी एक अनकही बेचैनी घुली रहती।

क्लासरूम के गहरे सन्नाटे में जब मेरी उँगलियाँ स्लेट बोर्ड पर चॉक थामे चलतीं,और शब्द धीरे-धीरे उभरने लगते,तो कुछ अजीब-सा महसूस होता कि कोई बड़ी एकाग्रता से मुझे निहार रहा है। वो नाजिया थी,पिछली बेंच पर बैठी वो लड़की मेरी लिखावट को नहीं, बल्कि चॉक पकड़े मेरे हाथों की हर लयबद्ध हरकत को अपनी चमकती आँखों से टटोलती रहती। उसकी नज़रों में वो जिज्ञासा झलकती जो कॉलेज की दहलीज़ पर पहली बार कदम रखने वाले हर युवा के दिल में होती है,जहाँ किताबों की दुनिया से बाहर भावनाओं का धरातल खुलने लगता है, और हर नज़र में एक अनकही कहानी बसने लगती है।

सादगी और खूबसूरती का अनोखा संगम सा लगता,

एक रोज़ लेक्चर खत्म होते ही नाज़िया संकोच भरी चाल से मेरे पास आई। उसकी शख्सियत में एक जादुई आकर्षण था,लंबी सुराहीदार गर्दन,हिरनी जैसी चंचल और चमकदार आँखें,और चेहरे पर वो भोलापन जो कॉलेज लाइब्रेरी में रखी पुरानी शायरी की किताबों की ताज़ा महक जैसा लगता। हल्के नीले दुपट्टे में लिपटी वो इतनी सादी लग रही थी कि लगता, प्रकृति ने खुद उसे तराशा हो।

उसने झिझकते हुए एक बड़ा मासूम सवाल किया मुझसे

सर! क्या आप अपनी आँखों में काजल लगाते हैं? ये इतनी गहरी और काली कैसे हैं?

उसकी इस बच्चों जैसी सादगी पर मेरी हँसी छूट गई। मैंने मुस्कुराते हुए तसल्ली दी कि ये किसी बनावटी काजल का कमाल नहीं,बल्कि ख़ुदा की कुदरती नेमत है। पूरी क्लास खिलखिला उठी। उस पल मुझे लगा ये सिर्फ़ एक मासूम मज़ाक है। लेकिन उस हँसी के शोर में मुझे जरा भी अंदाज़ा न था कि मेरी ये आँखें,जिन्हें मैं महज तोहफ़ा समझता था,किसी के दिल पर गहरी अमिट छाप छोड़ चुकी हैं,किसी ने इन्हीं में अपना सुकून ढूँढ लिया, और अपनी रातों की नींद व दिन का चैन मुझे सौंप दिया। वक्त की रफ़्तार और रुख़सार का सिलसिला वक्त अपनी रफ्तार से गुज़रता रहा। ट्रेनिंग के दिनों में मेरे साथ ही बी.एड.ट्रेनिंग करने वाली रुख़सार धीरे-धीरे करीब आ गई। बातों का सिलसिला बढ़ा,लेकिन उसकी असली शख्सियत तब खुली जब उसने ख़त देने शुरू किए। वो ख़त किसी महँगी स्टेशनरी पर नहीं,बल्कि स्कूल क्लासरूम के साधारण नोटबुक के फटे पन्नों पर लिखे जाते। लेकिन उन मामूली पन्नों पर स्याही से बुने जज़्बात किसी सैलाब से कम न थे,रुख़सार ने अपना पूरा दिल उंडेल दिया था।

उनमें से एक ख़त की पंक्तियाँ आज भी दिल पर पत्थर की लकीरें बनकर उतरी हुई हैं। आप अपनी आँखों की बात करते हैं,पर क्या जानते कि जब आप ब्लैकबोर्ड की तरफ़ पीठ करके खड़े होते हैं,तो आपकी ख़ामोशी भी मुझसे लंबी-लंबी बातें करती है? ये काग़ज़ का टुकड़ा शायद कल रद्दी बन जाए,लेकिन इन पर लिखे मेरे जज़्बात कभी पुराने न होंगे। खुदा गवाह है, आपकी एक मुस्कुराहट के लिए मैं अपनी पूरी क़ायनात वार सकती हूँ।

दो दिलों के बीच फँसी अनकही राहें ,आगे बढ़ने लगी मंजिल की तलाश में,

उस ख़त को पढ़ते ही मेरे ज़हन में एक साथ दो चेहरे उभर आए। एक तरफ़ नाजिया,ख़ामोश आँखों वाली वो मासूम कशिश,जिसने कभी ज़ुबान न खोली लेकिन आँखों से सब कुछ कह दिया। दूसरी तरफ़ रुख़सार,जिसके पास शब्दों की ताक़त थी, और जिसने नोटबुक के पन्नों को हमारे बीच एक मज़बूत पुल बना दिया।

मैं अक्सर सोचता,इंसान का दिल कितना अजीब है। एक तरफ़ वो काजल वाला बचकाना सवाल जो आज भी मुझे मुस्कुराने पर मज़बूर कर देता, दूसरी तरफ़ रुख़सार की गहरी बातें जो रूह को बेचैन कर देतीं। ट्रेनिंग खत्म होने की कगार पर पहुँच चुकी थी, खतों का सिलसिला और गहरा होता जा रहा। वो पन्ने अब दराज़ का हिस्सा नहीं, यादों का ख़ज़ाना बन चुके थे। सवाल ये था,क्या मैं उन जज़्बात का जवाब देने को तैयार था? या मेरी आँखें अभी भी क्लास की पिछली बेंच पर नाज़िया की उसी जिज्ञासा को तलाश रही थीं?

रुख़सार का वो आख़िरी खत हाथ में छुपाए कॉलेज की सीढ़ियों से उतरते हुए लगा जैसे पीछे कोई अपना छूट रहा हो। खत कुछ यूँ था,

तुम्हें इक बात कहनी थी, इजाज़त हो तो कह दूँ मैं...

ये भीगा भीगा सा मौसम,
ये तितली फूल और शबनम,
चमकते चाँद की बातें,
ये बूंदें और बरसातें,
ये काली रात का आँचल,
हवा में नाचते बादल,
धड़कते मौसमों का दिल,
महकती ख़ुशबुओं का दिल...
ये सब जितने नज़ारे हैं,
कहो किस के इशारे हैं?
सभी बातें सुनी तुमने,
फिर आँखें फेर लीं तुमने...
मैं तब जा कर कहीं समझा,
कि तुमने कुछ नहीं समझा...
मैं किस्सा मुख्तसर कर के,
ज़रा नीची नज़र कर के,

ये कहता हूँ अभी तुमसे–मोहब्बत हो गई तुमसे...

इन लफ़्ज़ों की नज़ाकत ने मेरे दिल की ज़मीन हिला दी। कॉलेज लाइब्रेरी में वक्त गुज़ारते, स्कूल बच्चों को पढ़ाते हुए, इन्हीं के इश्क़ में गिरफ़्तार होकर मैंने रुख़सार को अपनी शरीक-ए-हयात बना लिया। शादी के बाद भी वो पुराने क्लासरूम, चॉक की धूल और बाहर खेलते बच्चे,सब यादों में ताज़ा बने रहे।

बरसों बाद खंडवा के उसी कॉलेज के पास चाय की दुकान पर बैठा था। अचानक नाजिया सामने आ खड़ी हुई। उसने अपनी स्कूटी रोकी,और मेरे करीब आ गई,उसने बताया कि अब उसी खंडवा के सरकारी स्कूल में टीचर है,छोटे-छोटे बच्चों को उर्दू और हिंदी सिखाती। हम पास के कैफ़े में बैठे,उसने ज़र्द पड़ चुके खतों की जेरोक्स कॉपियाँ मेज़ पर रख दीं। निवारण रह गया ये सब क्या है?

सर! ये तहरीरें मेरी थीं,उसने सिसकते हुए कहा, आँखों में वही पुरानी चमक लिये। मैं अपनी दीवानगी रुख़सार दीदी को लिखकर देती थी कि वे आप तक पहुँचा दें। मुझे क्या मालूम था कि वे मेरी रूह की आवाज़ को अपना नाम दे देंगी। स्कूल क्लासरूम में उन पलों को याद कर ये नज़्में लिखीं, सोचा था सर के दिल को छू लेंगी। मैं सन्न रह गया। ये तो वो ही ख़त थे जिसे रुख़सार ने अपना बताया था,ये कैसे हो सकता था, मैंने तुरन्त नाज़िया को घर चलने को कहा,उसे घर ले गया। नाजिया को पता चल गया था कि रुख़सार मेरी पत्नी है,उसके लिखे प्रेमपत्र से सर काफ़ी मुतासिर रहे हैं इसका जिक्र किसी अपने साथी से नाजिया सुन चुकी थी,एक बार नाजिया से रूख़सार ने कहा था कि उसे कोई इस तरह के ख़त या शब्द लिखने भी आते हैं, हम घर पहुंच गए थे,रुख़सार ने दरवाज़ा खोला। हमें साथ देखकर उसके चेहरे से घबराहट नुमाया थी, कुछ देर इधर उधर की बातें की हमने फिर सारे ख़त उसके सामने रख दिए। रूख़सार समझ नहीं पा रही थी कि क्या हो रहा है, मैने फिर कहा रुख़सार! सच बयान करो। क्या ये नज़्में ओर इसकी तहरीरें तुम्हारी क़लम से निकलीं हैं?

रुख़सार का चेहरा फ़क़ हो गया। दबी आवाज़ में क़बूल किया,मैं जानती थी तुम शायर हो,रूहानी लफ़्ज़ों से मुहब्बत करते। मेरे पास अपना कुछ न था,सो नाजिया की दीवानगी उधार ले ली। ये मैने धोखा किया इस नाजिया के साथ असल में तो उसनेची तुमसेवपने प्यार का इजहार किया था लेकिन मैं क्या कर सकती थी क्योंकि में भी तुमको खोना नहीं चाहती थी,दो मैने नाजिया के खत को अपना खत बना कर तुम्हे देती रही,ओर नाजिया को समझती रही,कॉलेज के दिनों में सोचा न था ये फ़रेब इतना गहरा हो जाएगा।

नाजिया के क़दमों तले ज़मीन खिसक गई। उसने रुख़सार का पल्लू पकड़ लिया,आँसू गालों पर बहने लगे। मैं बरसों इस आस में जली कि मेरी नज़्में सर के दिल को मुतास्सिर कर रही हैं,शब्दों से मेरी रूह उनसे बात कर रही। मगर मेरी पहचान किसी ने ओढ़ ली! मेरे जज़्बात को अपनी जगह बनाने का ज़रिया बना लिया?

वो मंज़र दिल दहला देने वाला था। नाजिया,जो स्कूल के मासूमों को पढ़ाते हुए हर शाम कॉलेज गलियों को याद करती,लफ़्ज़ बुनती,हर शब्द की उम्मीद में कि सर इनके पीछे छिपी आँखों की गहराई समझेंगे।आज नहीं तो कल,रुख़सार ख़ामोश,नज़रों में शर्मिंदगी थी। ख़त मेरे हाथों में भारी पड़ने लगे,नाजिया की बरसों की इबादत को तिजारत बना दिया गया। अफ़सोस धोखे का नहीं,मासूम दिल की पुकार के शोषण का था। नाजिया के लफ़्ज़ हवा में गूँज रहे थे,मेरी इबादत को अपनी तिजारत बना लिया। कोई धोखेबाज ही ऐसा कर सकता है,मैने तुम्हे भी अपना उस्ताद माना लेकिन तुम उस्तादचोकर भी मुझे जहर पिलाती रही, क्यों किया ऐसा?

आँगन में गहरा मातम छा गया। लगा नाजिया टूटकर बिखर जाएगी। लेकिन तभी उसने लंबी साँस ली,आँसू पोंछे। वहीं रखे चिराग़ से उन ख़ुतों को छुआ,काग़ज़ जलने लगे, राख बनकर हवा में उड़ने लगी।किसी निवेशकों है रोका,अब वैसे भी इन खातों का कोई काम बाक़ी नहीं रह गया था।

सर! आज मैं ख़ुद को इस फ़रेब से आज़ाद करती हूँ। बिख़रे बाल समेटे, दरवाज़े की ओर चली। क़दमों में अब लचक न थी, बल्कि वक़ार था,स्कूल टीचर का वो फ़ख़्र जो किताबों से ज़्यादा ज़िंदगी सिखाती।

बाजी ! अपना घर मुबारक रखें। आपने मेरा इश्क़ चुराया,मगर मेरा हुनर आज भी मेरे पास। लौट रही हूं,लेकिन मेरे ये खत तुम्हे सुकून नहीं रातों को जागने पर मजबूर करदेंगे,अब मैं उन मासूम बच्चों को सिखाऊँगी कि अपनी लिखी जिंदगी की तहरीर कभी किसी और के हाथों में मत देना। भरोसा भी करना तो पहले सामने वाले की नीयत को परख लेना,वह चली गई। बाहर तेज़ बारिश हो रही। हारकर नहीं, फ़तह पाकर निकली। हम अकेले रह गए,रुख़सार अपने पछतावे में, मैं खोखलेपन में। अफ़साना ख़त्म हो गया, लेकिन ज़मीन पर बिखरी राख अभी तक सुलग रही थी। सर कुछ समझ नहीं पा रहे थे कि क्या हुआ और कैसे वो भी अपने आपको मुजरिम समझ कर ख़ामोश खड़े थे, रूखसार का चेहरा नीचे की तरफ़ जैसे ज़मीन में धंसता जा रहा था,नाज़िया जा चुकी थी लेकिन नाजिया जो छोड़ गई थी उसको न तो सर समेट सकते थे न रुख़ सार की जसारत थी कि वो कुछ बोल सके। बची हुई राख़ में भी उन दोनों को चिंगारी नज़र आ रही थी।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
–सम्पादक

बादलों के बावजूद नहीं मिली राहत,पारा 40.1 डिग्री पार

सरगुजा में बढ़ी उमस और गर्मी,स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचाव के लिए जारी की एडवाइजरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में आसमान में बादल छाने के बावजूद भीषण गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। सोमवार को अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक है। मौसम में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते बादल तो नजर आ रहे हैं,लेकिन तापमान में अपेक्षित गिरावट नहीं होने से उमस और गर्मी दोनों बढ़ गई है। गर्मी के इस तेवर को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने हीट वेव (लू) की आशंका जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रेम सिंह मार्को ने कहा है कि दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। जरूरी होने पर सिर ढंककर ही बाहर जाएं। लगातार बढ़ते तापमान के कारण शरीर में पानी की कमी तेजी से हो रही है। विभाग ने लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने के साथ ओआरएस, नींबू पानी, छाछ और लस्सी जैसे तरल पदार्थों के सेवन की सलाह दी

है। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने और बच्चों,बुजुर्गों व गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है।

लू और हीट हेडेक के मामले बढ़ने की आशंका

डॉक्टरों के अनुसार, अधिक तापमान में लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। तेज बुखार, चक्कर,उल्टी,कमजोरी और बेहोशी इसके प्रमुख लक्षण हैं। इसके अलावा इन दिनों 'हीट हेडेक' यानी गर्मी से होने वाले सिरदर्द की समस्या भी बढ़ रही है, जो डिहाइड्रेशन और नींद की कमी से जुड़ी है।

समय पर उपचार जरूरी

विशेषज्ञों ने बताया कि लू लगने की स्थिति में तुरंत व्यक्ति को ठंडी जगह पर ले जाकर शरीर को ठंडा करना चाहिए और होश में होने पर पानी या ओआरएस देना चाहिए। गंभीर स्थिति में बिना देरी अस्पताल

पहुंचाना जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सभी शासकीय अस्पतालों में आवश्यक दवाएं और उपचार की व्यवस्था उपलब्ध है।

बांकी डेम में कार गिरी,युवक की मौत

तेज रफ्तार में अनियंत्रित हुई कार,6 युवक सुरक्षित निकले,एक की इलाज में देरी से गई जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर से लगे बांकी डेम में सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर जा घुसी। कार में सात युवक सवार थे। हादसे में एक युवक कार के अंदर फंस गया,जिसे साथियों ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला,लेकिन इलाज में देरी के कारण उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के अमईयापारा निवासी करिमन राजवाड़े (45) गांव के अन्य युवकों के साथ घूमने निकला था। छोटू सिंह की कार में करिमन,गुड्डू, सुखलाल,मोहन,राहुल सहित कुल सात लोग सवार थे। घर से कुछ दूरी पर ही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बांकी डेम में जा गिरी। हादसे के बाद छह युवक किसी तरह बाहर निकल आए, जबकि बीच में बैठा करिमन कार में ही फंसा रह

गया। साथियों ने उसे बेहोशी की हालत में बाहर निकाला।

अस्पताल ले जाने में हुई चूक

घटना के बाद युवक को तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय साथी उसे घर ले गए, जहां पहले उसके कपड़े बदले गए। इसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया,जहां डॉक्टरों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिना अनुमति गाड़ी ले जाकर किया एक्सीडेंट,कर्मचारी पर केस दर्ज

जीपीएस बंद कर कंपनी शेड से निकाली बोलेरो, हादसे को लेकर संदेह बरकरार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में बिना अनुमति कंपनी की गाड़ी ले जाकर दुर्घटना करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आरोपी कर्मचारी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ससौली स्कूलपारा निवासी लाल साय ने अपनी बोलेरो सीजी 15 ईए 7608 को जियो कंपनी में मासिक किराए पर लगाया था। वाहन तुलसी चौक स्थित एफआरटी कार्यालय में संचालित हो रहा था। बताया गया कि 30 नवंबर 2025 की रात वाहन का चालक छुट्टी पर था और गाड़ी कंपनी परिसर में खड़ी थी। इसी दौरान कंपनी में कार्यरत किशन पाण्डेय ने बिना अनुमति जीपीएस निकालकर वाहन को शेड से बाहर ले गया। इसके बाद उसने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए 1 दिसंबर की सुबह करीब 5 बजे केन्द्रीय विद्यालय, एमजी रोड के पास दुर्घटना कर दी। हादसे में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया,जबकि चालक को कोई चोट नहीं आई।

घटना पर उठे सवाल : आवेदक ने शिकायत में बताया कि दुर्घटना स्थल को लेकर संदेह बना हुआ है। मौके पर स्पष्ट निशान नहीं मिलने से घटना को छिपाने की आशंका जताई गई है। साथ ही,वाहन का जीपीएस बंद किया जाना भी संदिग्ध माना जा रहा है। आवेदक ने सीसीटीवी फुटेज की जांच कर वास्तविक घटना स्थल का पता लगाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने दर्ज किया अपराध : जांच में आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी किशन पाण्डेय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) व 281 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रशासनिक सर्जरी से बदला सरगुजा का राजस्व ढांचा,एसडीएम से तहसीलदार तक बड़े फेरबदल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में प्रशासनिक सर्जरी करते हुए राजस्व अमले में बड़ा फेरबदल किया गया है। कलेक्टर कार्यालय से जारी आदेश के तहत एसडीएम,डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार स्तर के अधिकारियों के कार्य विभाजन में संशोधन करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इससे जिले के राजस्व ढांचे में व्यापक बदलाव देखने को मिला है।

एसडीएम और डिप्टी कलेक्टर स्तर पर बदलाव : रामसिंह ठाकुर को अपर कलेक्टर अंबिकापुर एवं जिला कार्यालय में रामराज सिंह को आवंटित कार्यों का दायित्व दिया गया है। जे.आर. सतरंज को जिला कार्यालय में

कलेक्टर द्वारा सौंपे गए कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। विनय कुमार सोनी को वर्तमान दायित्वों के साथ एसडीएम धौरपुर (लुंड्रा) एवं पंजीयन लोक न्यास रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट धौरपुर अनुभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। फागेश सिन्हा को एसडीएम सीतापुर एवं पंजीयन लोक न्यास सीतापुर अनुभाग का दायित्व दिया गया है। वनसिंह नेताम को एसडीएम अंबिकापुर, पंजीयन लोक न्यास अंबिकापुर,सिटी बस सोसायटी में कलेक्टर प्रतिनिधि तथा जिला सत्कार अधिकारी बनाया गया है। रामराज सिंह को एसडीएम उदयपुर एवं पंजीयन लोक न्यास उदयपुर अनुभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तहसीलदारों के तबादले : उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार अंबिकापुर से मैनपाट भेजे गए। श्रीमती तारा सिदार तहसीलदार मैनपाट से उदयपुर पदस्थ किए गए। विकास जिंदल तहसीलदार उदयपुर से अंबिकापुर भेजे गए। अमन चतुर्वेदी तहसीलदार दरिमा से लखनपुर पदस्थ किए गए। अंकिता पटेल तहसीलदार लखनपुर से बतौली भेजी गईं। कमलावती सिंह तहसीलदार बतौली से दरिमा पदस्थ की गईं।

प्रशासनिक कसावट की तैयारी

सूत्रों के अनुसार प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने,राजस्व प्रकरणों के निराकरण और मैदानी व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है। अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस फेरबदल के बाद जिले के अलग-अलग अनुभागों और तहसीलों में कामकाज की नई रूपरेखा तय होगी। आम लोगों को नामांतरण, सीमांकन,बंटवारा,जाति-निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य राजस्व कार्यों में राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

जनहित प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निराकरण करने के निर्देश...

एग्रीस्टेक एवं पीएम किसान सम्मान निधि योजना में लाएं तेजी : कलेक्टर

-संवाददाता-
बलरामपुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटरा की अध्यक्षता में राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण, राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की तहसील वार स्थिति तथा जिले में एग्रीस्टैक और पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के पंजीयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल,श्री चेतन बोरघरिया, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एंव कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री कटारा ने नामांतरण,बंटवारा,सीमांकन और आय-जाति प्रमाण-पत्र जैसे आम जनता से जुड़े प्रकरणों के निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर पारदर्शिता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करें, ताकि आम नागरिकों को कार्यालयों में बार-बार आने की आवश्यकता न हो। कलेक्टर ने राजस्व पखवाड़ा की तहसीलवार समीक्षा करते हुए प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक तहसील में लंबित आवेदनों की संख्यात्मक जानकारी लेते हुए शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग अंतर्गत कलेक्टर ने एग्रीस्टैक एवं पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं के माध्यम से किसानों को एग्रीस्टैक पंजीयन के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दें। किसानों को अवगत कराएं कि यदि उनका एग्रीस्टैक में पंजीयन नहीं हुआ, तो भविष्य में कृषि विभाग द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मैनपाट में आंगनबाड़ी सहायिका के 02 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन 01 मई तक आमंत्रित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना मैनपाट के परियोजना अधिकारी ने बताया कि आंगनबाड़ी सहायिका के 02 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थियों से 01 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट https://aww.e-bharti.in/ के माध्यम से भरे जाएंगे। रिक्त पदों में सेक्टर नर्मदापुर के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र नर्मदापुर उचकापारा में सहायिका 01 एवं सेक्टर खड़गांव अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पिडिया बायपहाड में आंगनबाड़ी सहायिका के 01 पद भर्ती की जानी है।

बलरामपुर पुलिस का 'चलित थाना' अभियान : गांव-गांव पहुंचकर दे रही कानून,साइबर सुरक्षा और नशामुक्ति की जानकारी

पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण,असामाजिक तत्वों को एसपी की कड़ी चेतावनी

-संवाददाता-
बलरामपुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में आमजन को जागरूक करने और पुलिस व्यवस्था को गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से बलरामपुर पुलिस द्वारा 'चलित थाना (पुलिस आपके द्वार)' अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा और पुलिस अधीक्षक बलरामपुर-रामानुजगंज वैभव बैंकर के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी के नेतृत्व में जिले के सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत थाना व चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों के गांवों में बारी-बारी से पहुंचकर चलित थाना का आयोजन कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और कानून संबंधी जानकारी देकर उन्हें जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाना है।

ग्रामीणों की समस्याओं का गांव में ही समाधान : चलित थाना कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस टीम गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर आम लोगों की समस्याएं सुन रही है तथा यथासंभव मौके पर ही विधिसम्मत निराकरण भी कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस को अपने बीच पाकर लोगों में उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं।

साइबर अपराध से बचाव की दी जा रही जानकारी : पुलिस द्वारा लोगों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन ठगी,डिजिटल अरेस्ट,फर्जी कॉल,संदिग्ध लिंक और बैंक फ्रॉड से बचने के उपाय बताए जा रहे हैं। साथ ही शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी देकर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया भी समझाई जा रही है। लोगों को सुरक्षित पासवर्ड रखने,ओटीपी साझा न करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने और सोशल मीडिया पर सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

नशामुक्ति, महिला सुरक्षा और सामाजिक कानूनों पर फोकस : अभियान के दौरान युवाओं और विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया जा रहा है तथा नशामुक्त जीवन अपनाने का आह्वान किया जा रहा है। इसके साथ ही बाल विवाह,लैंगिक उत्पीड़न,घरेलू हिंसा, पॉक्सो एक्ट,मानव तस्करी,दहेज प्रतिषेध अधिनियम,टोनही प्रताड़ना अधिनियम और बाल श्रम कानूनों की जानकारी भी दी जा रही है। महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है।

यातायात नियमों का पालन करने की अपील : पुलिस द्वारा युवाओं को यातायात नियमों के पालन,दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने,चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने,निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की समझाइश दी जा रही है।

एसपी वैभव बैंकर की चेतावनी : पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने कहा कि नशा व्यक्ति को मानसिक,शारीरिक और सामाजिक रूप से कमजोर बनाता है तथा उसका भविष्य खराब करता है। उन्होंने आमजन से शराब पीकर वाहन न चलाने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। एसपी ने गुंडा, निगरानी, माफी बदमाशों, नशेड़ियों और बेवजह घूमने वाले असामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी अनैतिक गतिविधि में शामिल पाए जाने पर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

परशुराम जयंती पर समाजसेवा के लिए मंगल पाण्डेय सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

भगवान परशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया के अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज सरगुजा और संभागीय सर्व ब्राह्मण समाज अंबिकापुर के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में सरगुजा लोकसभा क्षेत्र के सांसद चिंतामणि महाराज सहित समाज के पदाधिकारियों ने मंगल पाण्डेय को सम्मान पत्र, अंगवस्त्र और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। बताया गया कि मंगल पाण्डेय पिछले 26 वर्षों

से समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वे चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा,महिला सशक्तिकरण,युवाओं के नेतृत्व विकास, उन्नत कृषि और शासकीय योजनाओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा वे सरगुजा पुलिस और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से संचालित 'नवा बिहान' नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र में संयोजक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

पिकअप की टक्कर से मजदूर की मौत इसी वाहन से उतरकर जा रहा था घर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सीतापुर के माझापारा में 19 अप्रैल की शाम को जिस पिकअप से उतरकर घर जा रहा था उसी से एक्सिडेंट हो गया। उसे इलाज के लिए सीतापुर अस्पताल से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बस्तु उम्र 54 वर्ष रायकेला माझापारा थाना सीतापुर का रहने वाला था। वह 19 अप्रैल को अन्य मजदूरों के साथ शोभा कुशवाहा के पिकअप से मजदूरी करने जशपुर गया था। वहां से शाम को सभी वापस लौट रहे थे। रास्ते में नावापारा के पास किसी काम से बस्तु उतर गया और पैदल कर जा रहा था। तभी रास्ते में उसी पिकअप ने उसक टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पिकअप चालक उसे इलाज के लिए सीतापुर अस्पताल ले गया और परिजन को फोन कर बताया कि बाइक से बस्तु का एक्सिडेंट हो गया है।

CMYK

सेमरिया की टूटी पुलिया : 'विकास' के दावों पर सवाल, खतरे में बच्चों की जान

7 महीने से बदहाल पुलिया,जिम्मेदार खामोश-किस हादसे का इंतजार?

स्कूल का रास्ता या मौत का पुल? सेमरिया में हर दिन जोखिम भरा सफर

बरसात में बही मिट्टी,अब तक नहीं सुधरी व्यवस्था–ग्रामीणों में आक्रोश

पुलिया टूटी,सिस्टम सोया–सेमरिया में 'विकास' की सच्चाई उजागर

नन्हे कदमों पर खतरा, जिम्मेदार बेखबर–सेमरिया की पुलिया बनी संकट

चुनाव में वादे,अब सन्नाटा–टूटी पुलिया पर नहीं किसी की नजर

सेमरिया की लाइफलाइन जर्जर,प्रशासन मौन–हादसे का बढ़ता खतरा

पुलिया पर दरार,व्यवस्था पर सवाल–कब जागेगा प्रशासन?

टूटी पुलिया और टूटी उम्मीदें–ग्रामीणों का सब्र जवाब देने को तैयार

-राजन पाण्डेय-

सोनहत (कोरिया),20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कागजों में विकास की चमक भले ही दिखाई दे रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत ग्राम सेमरिया में बिल्कुल अलग तस्वीर पेश कर रही है। वनांचल क्षेत्र के इस गांव में स्कूल जाने वाले मुख्य मार्ग पर बनी पुलिया पिछले करीब सात महीनों से बदहाल स्थिति में पड़ी है। पिछले वर्ष की बारिश में पुलिया के किनारे की मिट्टी बह जाने के बाद से यह मार्ग लगातार जर्जर होता जा रहा है, लेकिन अब तक न तो इसकी मरम्मत हुई है और न ही किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था की गई है, स्थिति इतनी गंभीर है कि ग्रामीण इसे अब 'खतरे का रास्ता' कहने लगे हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधि जैसे किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हों।

हादसे को न्यौता देती पुलिया, हर दिन जोखिम में ग्रामीण और बच्चे

सेमरिया गांव की यह पुलिया केवल एक संरचना नहीं, बल्कि पूरे गांव की जीवनरेखा है,इसी मार्ग से होकर ग्रामीण बाजार, अस्पताल और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन करते हैं, वहीं नन्हे बच्चे रोजाना इसी रास्ते से स्कूल पहुंचते हैं,ग्रामीणों के अनुसार, पिछले साल की मूसलाधार बारिश में पुलिया के दोनों ओर की मिट्टी पूरी तरह बह गई थी, जिससे उसका आधार कमजोर हो गया,अब पुलिया में दरारें साफ दिखाई देती हैं और किनारों पर गहरा कटाव हो चुका है, दिन के समय भी यहां से गुजरना जोखिम भरा है, लेकिन रात के अंधेरे में यह रास्ता और भी खतरनाक हो जाता है। हल्की सी चूक किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, वनांचल क्षेत्र होने के कारण जंगली जानवरों का खतरा अलग से बना रहता है, जिससे स्थिति और अधिक भयावह हो जाती है।

स्कूली बच्चों की जान पर बना खतरा

इस पूरे मामले का सबसे संवेदनशील पहलू यह है कि छोटे-छोटे बच्चे रोजाना इसी खतरनाक पुलिया से होकर स्कूल जाते हैं,परिजनों का कहना है कि वे हर दिन डर के साये में अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं,बारिश के दिनों में यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि फिसलन और पानी के बहाव के कारण पुलिया और भी असुरक्षित हो जाती है,शिक्षा के अधिकार की बात तो होती है, लेकिन यहां बच्चों को स्कूल जाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ रही है।

ग्रामीणों में आक्रोश, जनप्रतिनिधियों पर लगाए आरोप

सेमरिया के ग्रामीणों में इस मुद्दे को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त है,उनका आरोप है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करने वाले जनप्रतिनिधि अब गांव की इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं,ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद ग्राम पंचायत अमृतपुर की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है,सरपंच और सचिव पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं की गई,तो इसका खामियाजा पूरे गांव को भुगतना पड़ेगा।

प्रशासन की अनदेखी से बढ़ रही समस्या

मामले में प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है,सात महीने का समय किसी भी छोटी मरम्मत के लिए पर्याप्त माना जाता है, लेकिन यहां अब तक कोई कार्रवाई नहीं होना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है,ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिया की मरम्मत कर दी जाती, तो आज यह स्थिति नहीं बनती,यहां सवाल उठता है कि क्या प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है,या फिर यह समस्या उनकी प्राथमिकता में ही शामिल नहीं है?

आने वाले मानसून में बढ़ेगा खतरा

ग्रामीणों को सबसे ज्यादा चिंता आगामी बरसात को लेकर है। उनका कहना है कि यदि अगले दो महीनों के भीतर मरम्मत कार्य पूरा नहीं हुआ,तो बारिश के दौरान यह पुलिया पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती है,ऐसी स्थिति में गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से कट जाएगा,जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा,इसके साथ ही बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होगी और दैनिक जीवन की गतिविधियां ठप पड़ सकती हैं।

ग्रामीणों की चेतावनी: आंदोलन के लिए होंगे मजबूर-

गांव के युवा और जागरूक नागरिक अब इस मुद्दे को लेकर खुलकर सामने आ रहे हैं, ग्रामीण अवध यादव का कहना है कि पिछले साल से ही लोग डरते-डरते इस पुलिया से गुजर रहे हैं। यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई, तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे, वहीं कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने भी प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि पंचायत ने शीघ्र व्यवस्था बहाल नहीं की, तो वे ग्रामीणों के साथ मिलकर जनपद का घेराव करेंगे।

विकास के दावों पर उठते सवाल-

सेमरिया की यह पुलिया केवल एक गांव की समस्या नहीं है, बल्कि यह उन दावों पर भी सवाल खड़ा करती है, जिनमें ग्रामीण विकास की बात की जाती है, यदि एक छोटे से गांव की जीवनरेखा बनी पुलिया की मरम्मत सात महीने में नहीं हो पाती, तो यह स्पष्ट संकेत है कि जमीनी स्तर पर विकास की गति कितनी धीमी है, यह स्थिति यह भी दर्शाती है कि योजनाएं तो बनती हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन समय पर नहीं हो पाता।

समय रहते नहीं जागा प्रशासन तो हो सकता है बड़ा हादसा

सेमरिया की टूटी पुलिया अब एक गंभीर चेतावनी बन चुकी है, यह केवल एक संरचनात्मक समस्या नहीं,बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा,बच्चों की शिक्षा और पूरे गांव के आवागमन से जुड़ा मुद्दा है,जरूरत इस बात की है कि प्रशासन तत्काल संज्ञान लेते हुए मरम्मत कार्य शुरू करे और इस मार्ग को सुरक्षित बनाए, क्योंकि अगर समय रहते कदम नहीं उठाया गया,तो यह पुलिया कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है–और तब सवाल यही रहेगा कि चेतावनी के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक सम्पन्न, सुशासन तिहार 2026 की तैयारियों पर हुई विस्तृत चर्चा

-संवाददाता-

सूरजपुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई,जिसमें मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप 'सुशासन तिहार 2026' के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में शासन के निर्देशानुसार जन शिकायतों के त्वरित,समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से 01 मई से 10 जून 2026 तक जन समस्या निवारण शिविरों के आयोजन की रूपरेखा पर व्यापक विमर्श किया गया।

क्लस्टरवार शिविरों की तिथि, स्थान एवं नोडल अधिकारी निर्धारित

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने सुशासन तिहार 2026 के सफल संचालन हेतु आदेश जारी करते हुए जिले के समस्त जनपद पंचायतों में क्लस्टरवार समाधान शिविरों की तिथि,स्थान एवं नोडल अधिकारियों का निर्धारण कर दिया है। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि 30 अप्रैल 2026 तक राजस्व प्रकरण,मनरेगा भुगतान, हितग्राहीमूलक योजनाएं,आय,जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र, विद्युत एवं हैंडपंप आदि से संबंधित समस्त लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों में लगेंगे क्लस्टरवार जन समस्या निवारण शिविर

कलेक्टर ने बताया कि 01 मई से 10 जून 2026 तक ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टरवार जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में प्राप्त समस्त आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा, जिससे पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंच सके।

विभागीय समन्वय एवं नियमित समीक्षा के निर्देश

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने स्पष्ट किया कि अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु समस्त संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक अग्रिम तैयारियां,विभागीय समन्वय तथा नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि शासन की मंशानुरूप आमजन को त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने नियुक्त नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदन पत्रों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण को सुनिश्चित करना सभी की प्राथमिकता रहे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र शर्मा, सर्व एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने 'श्री अग्रोहा पैलेस' का किया भूमिपूजन

150 अत्याधुनिक कमरों सहित भव्य परिसर से मध्य भारत में बनेगी नई पहचान

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर में प्रस्तावित 'श्री अग्रोहा पैलेस' का विधिवत भूमिपूजन कर आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परम पूज्य महाराजा अग्रसेन जी के वंशज होने का गौरव केवल हमारी पहचान नहीं, बल्कि एक पुनीत उत्तरदायित्व भी है। सेवा, त्याग और लोकमंगल की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह परियोजना समाज के सामूहिक संकल्प और सहभागिता का प्रतीक बनेगी। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि किसी भी भवन की सार्थकता केवल उसके भौतिक स्वरूप में नहीं, बल्कि उसमें निहित सेवा भावना और समाज के प्रति समर्पण में होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि समस्त

समाज के सहयोग से निर्मित 'श्री अग्रोहा पैलेस' आने वाले समय में जनसेवा, सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह भव्य परिसर 150 अत्याधुनिक कमरों,विशाल हॉल तथा सर्वसुविधायुक्त लॉन से सुसज्जित होगा, जो न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि अग्र समाज का इतिहास सेवा, समर्पण और लोककल्याण की गौरवशाली परंपरा से परिपूर्ण रहा है। हमारे पूर्वजों ने धर्मशालाएं,बावड़ियां और अन्न क्षेत्र बनाकर मानवता की सेवा का आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि कोई भी भवन केवल ईंट-पत्थरों से नहीं, बल्कि उसमें समाहित भावना, सहभागिता और सेवा के भाव से जीवंत बनता है। सांसद श्री अग्रवाल ने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे इस प्रकल्प को सफल बनाने के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति को भी जोड़ें। साथ ही उन्होंने गरीब बच्चों की शिक्षा, जरूरतमंद मरीजों के उपचार और

बेटियों के सम्मानजनक विवाह में सहयोग देने का संकल्प लेने की अपील की, ताकि 'श्री अग्रोहा पैलेस' वास्तव में समाज सेवा का जीवंत केंद्र बन सके। कार्यक्रम में अग्रवाल सभा अंबिकापुर के अध्यक्ष श्री संजय मित्तल,श्री अजय अग्रवाल,श्री बाबूलाल गोयल,श्री योगेश अग्रवाल,श्री विनोद,श्री कृष्ण कुमार,श्री मनोज जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

बिना लाइसेंस,ओवरस्पीड और यातायात नियम उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई...कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

ब्लैक स्पॉट सुधार,सड़को पर साइन बोर्ड व मार्किंग सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

-संवाददाता-

जशपुरनगर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री रोहित व्यास की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस, परिवहन,स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री व्यास ने स्पष्ट किया

कि सड़क सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए सभी स्तरों पर कड़ाई से नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। यह पहल जिले में दुर्घटनाओं को कम करने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। बैठक में कलेक्टर श्री व्यास ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में त्वरित चिकित्सा सहायता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देशित किया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग को तत्काल सूचित किया जाए, ताकि एम्बुलेंस समय पर पहुंचकर घायलों को शीघ्र उपचार मिल सके। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री लाल उमेद सिंह, सहायक कलेक्टर श्री अनिकेत अशोक फड़तरे,अपर कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार साहू,सभी एसडीएम, एसडीओपी सहित स्वास्थ्य,आबकारी, पुलिस, यातायात एवं परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

यातायात नियम उल्लंघन पर कड़ी निगरानी – कलेक्टर ने ओवरस्पीड, बिना हेलमेट वाहन चलाने, नशे की हालत में वाहन चलाने एवं अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बार-बार नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि कोई भी व्यक्ति बिना लाइसेंस वाहन न चलाए। साथ ही परिवहन विभाग को निर्देश दिए गए कि स्कूल एवं कॉलेजों में लर्निंग लाइसेंस बनाने हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि छात्र-छात्राएं विधिवत लाइसेंस प्राप्त कर सकें। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि उनके कार्यालयों में आने वाले कर्मचारी हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

ग्राम पंचायत केशगवा में 15 वें वित्त की राशि का बंदरबांट,सचिव पर 3 लाख के गबन का आरोप

सरपंच को अंधेरे में रखकर डीएससी का दुरुपयोग, जांच के बाद भी कार्यवाही न होने पर 'पंच संघ' में भारी आक्रोश

रजन पाण्डेय

कोरिया/सोनहत,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

वनांचल क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं,इसका ताजा उदाहरण ग्राम पंचायत केशगवा में देखने को मिला है,यहाँ के पंचायत सचिव पर 15 वें वित्त की लगभग 3 लाख रुपये की राशि फर्जी तरीके से आहरण कर गबन करने का गंभीर आरोप लगा है, इस मामले में कार्यवाही न होने से नाराज 'पंच संघ सोनहत' ने अब कलेक्टर कोरिया को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग किया है

धोखे से डीएससी लेकर खेल करने का आरोप- शिकायत के अनुसार,पँचायत सचिव ने सरपंच सोभित राम को विश्वास में लेकर 'प्रिया शाफ्ट' के नाम पर धोखे से उनकी डीएससी ले ली। इसके बाद, किसी फर्जी सप्लायर के नाम पर एफटीओ जनरेट कर शासन की 3 लाख रुपये की राशि का आहरण कर लिया गया, सरपंच की बिना जानकारी के हुए इस वित्तीय हेराफेरी ने पंचायत प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जांच में पुष्टि, फिर भी कार्यवाही नही- प्रेम सागर तिवारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सरपंच सोभित राम ने 05 अगस्त 2025 को 'कलेक्टर जनदर्शन' में इसकी लिखित शिकायत की थी।

विभागीय जांच में राशि का फर्जी आहरण होना सही पाया गया, लेकिन विडंबना यह है कि महीनों बीत जाने के बाद भी न तो आरोपी सचिव से वसूली की गई और न ही उस पर कार्यवाही हुई, ग्रामीणों और पंच संघ का आरोप है कि इस पूरे घोटाले में जांचकर्ता अधिकारी की संलिप्तता है, जो मामले को रफा-दफा करने और फाइल दबाने की कोशिश कर रहे हैं। इस गबन के कारण पंचायत के विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़ गए हैं।

पंच संघ की चेतावनी: '10 दिन में कार्यवाही नहीं तो होगा घेराव'

पंच संघ सोनहत के अध्यक्ष प्रेम सागर तिवारी ने इस मामले में आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है,कलेक्टर कोरिया को सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि 10 दिनों के भीतर आरोपी सचिव पर एफआईआर दर्ज नहीं होती और राशि की वसूली शुरू नहीं की जाती, तो पंच संघ कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने के लिए बाध्य होगा।

इनका कहना है...

'यह सीधे तौर पर जनता के पैसे की चोरी है, सचिव ने सरपंच के भरोसे का कत्ल किया है। यदि शासन-प्रशासन भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को संरक्षण देना बंद नहीं करता, तो हम उग्र आंदोलन करेंगे। '

प्रेम सागर तिवारी,अध्यक्ष (पंच संघ,सोनहत)

महिला आरक्षण पर भाजपा की नीयत बेनकाब,तत्काल लागू करने की मांग तेज : कांग्रेस

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा सरकार की महिला आरक्षण नीति और परिसीमन के मुद्दे पर कड़ा विरोध दर्ज किया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर देशभर में भ्रम फैलाकर इसे लागू करने में अनावश्यक देरी कर रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा सरकार महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने के बजाय परिसीमन से जोड़कर इसे टालना चाहती है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब नई जनगणना होने वाली है,तो पुराने आंकड़ों के आधार पर परिसीमन क्यों किया जा रहा है। कांग्रेस शुरू से ही महिला आरक्षण की पक्षधर रही है और इसे बिना देरी लागू किया जाना चाहिए। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल ने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक अधिकार देने में कांग्रेस का इतिहास मजबूत रहा है।

पंचायतों से लेकर संसद तक महिलाओं को आरक्षण दिलाने का काम कांग्रेस सरकारों ने किया,जबकि भाजपा केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल कर रही है। जिला महामंत्री पूनम सिंह ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने में देरी महिलाओं के साथ अन्याय है। यदि सरकार चाहे तो वर्तमान सीटों में ही 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू किया जा सकता है। कांग्रेस इस मुद्दे पर पूरी मजबूती से खड़ी है। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रूमा चटर्जी ने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण को लेकर केवल दिखावा कर रही है। परिसीमन का बहाना बनाकर इसे आगे बढ़ाया जा रहा है, जो महिलाओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ है। कांग्रेस महिलाओं के अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर महिला आरक्षण को जटिल प्रक्रिया से जोड़कर आम जनता को भ्रमित कर रही है।

कांग्रेस सड़कों से लेकर सदन तक इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाकर रहेगी। ग्रामीण अध्यक्ष रामनरेश पटेल ने कहा कि गांव स्तर पर महिलाएं आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं,ऐसे में महिला आरक्षण को टालना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस हमेशा से ग्रामीण महिलाओं की आवाज रही है और आगे भी उनके हक के लिए लड़ती रहेगी।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां पूरी तरह विरोधाभासी हैं। एक ओर महिला सशक्तिकरण की बात की जाती है, वहीं दूसरी ओर महिला आरक्षण को लागू करने में टालमटोल की जा रही है, जो स्पष्ट रूप से उनकी नीयत पर सवाल खड़ा करता है। जिला महामंत्री रफीक मेमन ने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण के मुद्दे पर जनता को गुमराह कर रही है। यदि सरकार वास्तव में महिलाओं को अधिकार देना चाहती है तो तत्काल निर्णय लेकर इसे लागू करे, अन्यथा कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर जनआंदोलन तेज करेगी। इस अवसर पर बलबीर सिंह, चुनूं त्रिपाठी एवं सुरेन्द्र पाल मखीजा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने एक स्वर में कहा कि महिला आरक्षण को लेकर किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं है और यदि सरकार शीघ्र निर्णय नहीं लेती है, तो कांग्रेस जनआंदोलन के लिए बाध्य होगी।

महिला आरक्षण पर भ्रम फैलाने का आरोप,कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने भाजपा की मंशा पर उठाए सवाल

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

देश में महिला आरक्षण को लेकर एक बार फिर सियासी बहस तेज हो गई है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह ने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया है कि वह महिला आरक्षण के नाम पर पूरे देश में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है,जारी बयान में उन्होंने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण के मुद्दे को वास्तविक रूप से लागू करने के बजाय उसे एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जबकि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिला आरक्षण की प्रबल समर्थक रही है, उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा द्वारा यह प्रचारित करना कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन नहीं किया, पूरी तरह भ्रामक और तथ्यहीन है,उनके अनुसार,वास्तविक स्थिति इससे बिल्कुल अलग है और जनता को भ्रमित करने के लिए इस प्रकार की बातें सामने लाई जा रही हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही बन चुका है कानून

शशि सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण बिल, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 (106 वां संविधान संशोधन) के नाम से जाना जाता है, संसद के दोनों सदनों में पारित हो चुका है। इस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर भी हो चुके हैं और यह विधेयक अब कानून का रूप ले चुका है,उन्होंने कहा कि जब यह कानून पहले ही पारित हो चुका है, तो यह कहना कि विपक्ष के कारण महिला आरक्षण लागू नहीं हो सका, पूरी तरह गलत है, हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस कानून के लागू होने की समयसीमा भविष्य की जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ी हुई है, जिससे इसके तत्काल प्रभाव में आने में देरी हो रही है।

131वां संविधान संशोधन विधेयक पर कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने 16 अप्रैल 2026 को संसद में प्रस्तुत 131वें संविधान संशोधन विधेयक को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि इस विधेयक को महिला आरक्षण के नाम पर प्रस्तुत किया गया, जबकि इसका मुख्य उद्देश्य परिसीमन से जुड़े प्रावधानों को आगे बढ़ाना था,उन्होंने बताया कि इस विधेयक में लोकसभा की सीटों को बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव

पुरानी जनगणना के आधार पर परिसीमन पर सवाल

शशि सिंह ने कहा कि जब देश में नई जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है और जातिगत जनगणना की भी चर्चा हो रही है, तो 2011 के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन कराना तर्कसंगत नहीं है, उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर सरकार नई जनगणना के आंकड़ों का इंतजार क्यों नहीं करना चाहती। उनके अनुसार, परिसीमन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को अद्यतन आंकड़ों के आधार पर ही किया जाना चाहिए,ताकि सभी राज्यों और क्षेत्रों के साथ न्याय हो सके।

महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग...

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने यह भी कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिला आरक्षण को लागू करना चाहती है,तो इसे परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ने की आवश्यकता नहीं है,उन्होंने सुझाव दिया कि वर्तमान लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों में ही 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जा सकता है,इसके लिए किसी अतिरिक्त परिसीमन की जरूरत नहीं है,उन्होंने कहा कि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल इस प्रस्ताव के समर्थन में हैं और सरकार यदि चाहे तो तत्काल प्रभाव से महिला आरक्षण लागू कर सकती है।

शामिल था, जिसमें 815 सीटें राज्यों के लिए और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए निर्धारित की जानी थीं,इसके अलावा, परिसीमन के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात भी कही गई थी,शशि सिंह के अनुसार,कई राज्यों ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई, क्योंकि उनका मानना था कि पुराने आंकड़ों के आधार पर परिसीमन करना उचित नहीं है।

कांग्रेस का दावा: महिला आरक्षण की हमेशा रही समर्थक

शशि सिंह ने अपने बयान में कांग्रेस के ऐतिहासिक योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की दिशा में कांग्रेस ने हमेशा पहल की है,उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि 1989 में उन्होंने पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रस्ताव रखा था,हालांकि उस समय यह विधेयक राज्यसभा में पारित नहीं हो सका था,इसके बाद पी.वी. नरसिम्हा राव के कार्यकाल में 1993 में यह प्रस्ताव पुनः लाया गया और अंततः कानून का रूप ले सका,इसी प्रकार डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के लिए विधेयक लाया गया, जो 2010 में राज्यसभा में पारित हुआ, उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का ही परिणाम है कि आज देशभर में पंचायतों और नगर निकायों में लाखों महिला जनप्रतिनिधि सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

परिसीमन बनाम आरक्षण : असली मुद्दा क्या?

शशि सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा महिला आरक्षण को 'मुखौटा' बनाकर परिसीमन से जुड़े अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहती है,उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ना इसकी प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से लंबा कर देता है,यदि सरकार की मंशा साफ होती,तो वह इस कानून को संशोधित कर तत्काल लागू कर सकती थी,उनके अनुसार,विपक्षी दलों की एकजुटता के कारण यह प्रयास सफल नहीं हो सका और यही कारण है कि अब भाजपा इस मुद्दे पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है।

राजनीतिक बहस के बीच जनता की अपेक्षाएं...

महिला आरक्षण का मुद्दा लंबे समय से देश की राजनीति में चर्चा का विषय रहा है,इसे महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है,हालांकि,इसे लागू करने की प्रक्रिया और उससे जुड़े राजनीतिक विवाद लगातार इसे केंद्र में बनाए हुए हैं,जनता की अपेक्षा है कि इस मुद्दे पर राजनीतिक दल आपसी आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर ठोस निर्णय लें,ताकि महिलाओं को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।

मुद्दा गंभीर,समाधान की जरूरत...

कांग्रेस और भाजपा के बीच महिला आरक्षण को लेकर जारी यह बहस इस बात का संकेत है कि यह मुद्दा केवल कानून तक सीमित नहीं है,बल्कि इसके पीछे व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक पहलू भी जुड़े हुए हैं, कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर भ्रम फैला रही है,जबकि भाजपा इसे अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है, ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि इस विषय पर स्पष्टता लाई जाए और महिलाओं के हित में जल्द से जल्द प्रभावी निर्णय लिया जाए,फिलहाल,यह मुद्दा राजनीतिक मंचों पर चर्चा का केंद्र बना हुआ है,लेकिन असली सवाल यही है महिला आरक्षण का वास्तविक लाभ महिलाओं तक कब पहुंचेगा?

न्यायालय प्रधान जिला न्यायाधीश बलरामपुर, स्थान-रामानुजगंज
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
(पीठासीन अधिकारी-हेमंत सराफ)

समंश/नोटिस

(विवाह पुर्नस्थापना हेतु आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 09 हिन्दू विवाह अधिनियम 1955)

व्यवहार वाद प्रकरण क्र.-44/2024
प्रोसेस नं.607/23.03.2026
पेशी दिनांकः- 24.04.2026

पक्षकार :- आकाश विश्वास आवेदक

-: विरूद्ध :-

पूनम पाल अनावेदिका

प्रति,

आवेदक आकाश विश्वास के द्वारा व्यवहार वाद प्रकरण इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उसके पक्ष समर्थन में दस्तावेज भी प्रस्तुत की गयी है।

अतः अनावेदक क्रमांक-1. पूनम पाल पत्नी आकाश विश्वास आत्मज स्व. गौतम पाल आयु लगभग 26 वर्ष हाल मुकाम ग्राम शिवनंदनपुर थाना विश्रामपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.) को इस समंस के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत इस आवेदन के संबंध में आपको अपना पक्ष रखने हेतु अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होना है। उपरोक्त नियत तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही कर प्रकरण की सुनवाई की जा सकेगी।

यदि उक्त नियत तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है या मै अवकाश पर जाता हूँ, तो इस इस प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि पर की जायेगी।

इस न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिनांक 23.03.2026 को जारी।

(हेमंत सराफ)
प्रधान जिला न्यायाधीश बलरामपुर, स्थान-रामानुजगंज (छ.ग.)
सील

न्यायालय नायब तहसीलदार
पटना, जिला-कोरिया छ0ग0

रा0प्र0कं0/202604010600021/ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद्व द्वारा समस्त ग्रामीण जनता ग्राम चम्पाझर को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका अभिलेख कुमार जायसवाल आ0/पति जयप्रकाश जायसवाल जाति कलार निवासी ग्राम चम्पाझर थाना पटना तहसील पटना जिला-कोरिया के द्वारा आवेदन पत्र पेश कर निवेदन किया है कि मेरे पुत्र / पुत्री आरूषि जायसवाल के लिये आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के संबंधी (EWS प्रमाण-पत्र) आय प्रमाण पत्र प्रदाय किया जावे। आवेदन पत्र के साथ आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शपथ पत्र, अंकसूची, बी-1 की छायाप्रति संलग्न किया है। अतः जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को उक्त प्रमाण पत्र जारी करने से कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 23/04/2026 तक उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 16/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार पटना
जिला कोरिया, बैकुण्ठपुर
जिला-कोरिया (छ00)
सील

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र-.../20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बजरंग लाल अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, प्रहलाद अग्रवाल आ0 रामबिलास अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी मणीपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-मणीपुर, शीट नम्बर 6 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4240/4, 4240/5, 4241/2, 4118, 4142/2 रकबा कमशः $0.05^{1/2}$, 0.02, 0.01, 0.04, 0.01 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।
आज दिनांकः-17/4/200 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर
सरगुजा (छ0ग0)
सील

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा.प्र.क्र.-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राहुल अग्रवाल आ0 प्रयाग राज अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी मोहल्ला बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-मनीपुर, शीट नम्बर- नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4240/6 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना विखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधियवता के माध्यम से दिनांक-06/05/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।
आज दिनांकः - 17/4/20 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर
सरगुजा (छ0ग0)
सील

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/.../20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रयाग राज आ0 विश्वा राम अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी मो0 ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-मनीपुर, शीट नम्बर- नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4240/40, 4241/1 रकबा 0.04, 0.05 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-06/05/2026 तक इसे न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।
आज दिनांक :- 17/4/20 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर
सरगुजा (छ0ग0)
सील

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/.../अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रामबिलास अग्रवाल आ0 ध्वजाराम अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी सेठ बसंत लाल मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की सीट नम्बर -08 मोहल्ला खजूरपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3112/2 रकबा 0.07 एकड भूमि में से रकबा 2282 वर्गफीट भूमि को अपने पुत्र अनावेदक दिनेश अग्रवाल आ0 रामबिलास अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी सेठ बसंत लाल मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के पक्ष में दान करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30/04/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांकः-16/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारीं

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर
सरगुजा (छ0ग0)
सील

भीषण गर्मी में जनगणना प्रशिक्षण...पंखे ठप्प थाली हल्की और कागजों में 'मलाई' भारी?

जनगणना प्रशिक्षण में 'गर्मी' से ज्यादा 'कटौती' का असर,थाली में कमी और बिल में बढ़ोत्तरी

- पंखे ठप्प,शिक्षक तपे-200 की थाली में 70 का खाना,बाकी किसका खजाना?
- जनगणना में आंकड़े सही, लेकिन खाने के हिसाब में गड़बड़ी?
- भीषण गर्मी में प्रशिक्षण,व्यवस्था ठंडी-थाली से 'मलाई' गायब या कहीं और पहुंची?
- कर्तव्य निभाते शिक्षक,'कट' निकालती व्यवस्था–जनगणना प्रशिक्षण पर सवाल
- पसीने में प्रशिक्षण,कागजों में पोषण-200 की थाली का असली सच
- मेन्यू में पनीर,थाली में कहानी-जनगणना प्रशिक्षण में खर्च का खेल
- भूख समय पर,खाना देर से–और बिल पूरा,यह कैसा सिस्टम?
- जनगणना के नाम पर 'कमीशन गणना'? प्रशिक्षण व्यवस्था कटघरे में

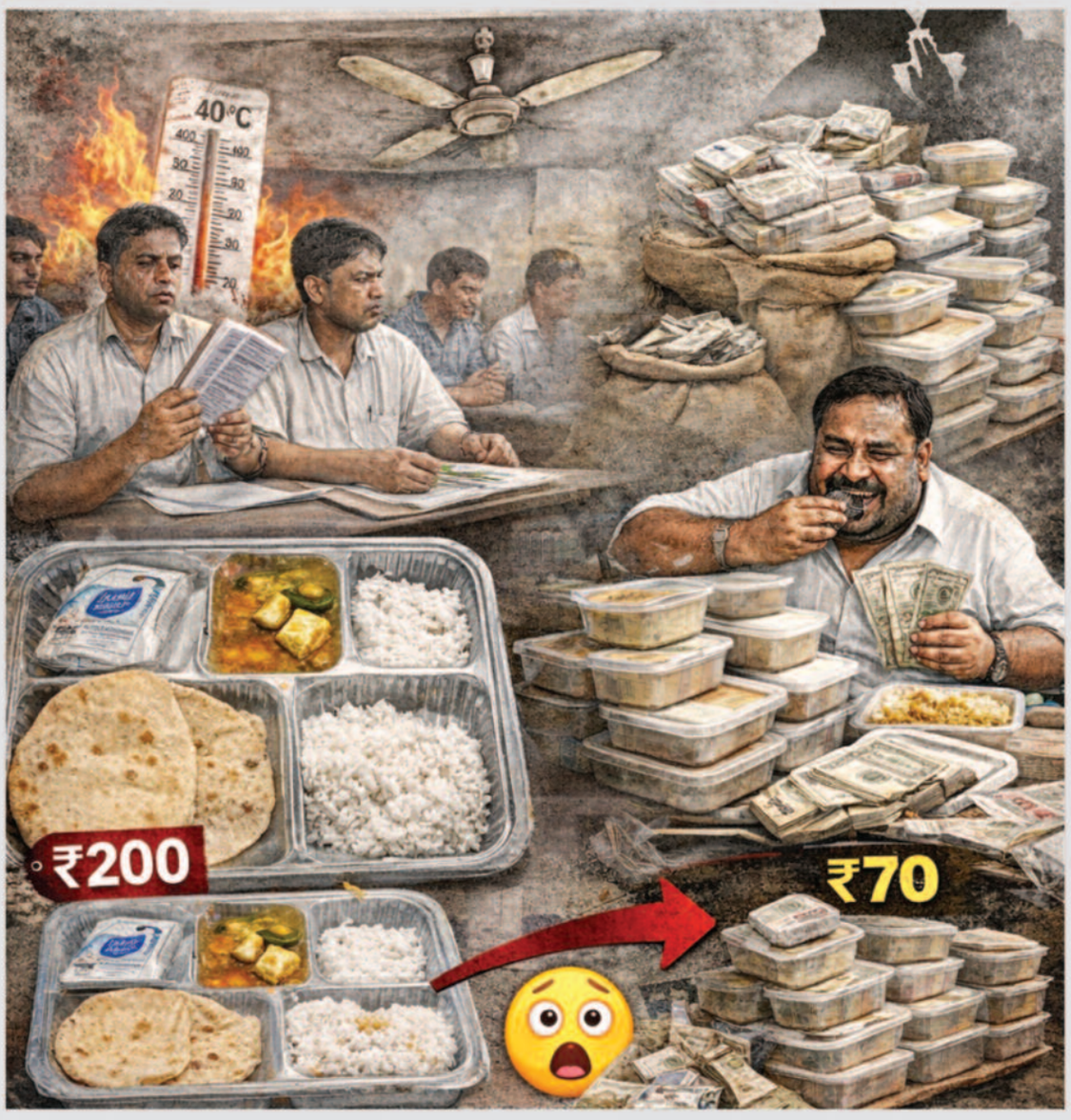

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,20 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में चल रहे जनगणना प्रशिक्षण ने एक साथ दो तस्वीरें सामने रख दी हैं एक तस्वीर कर्तव्यनिष्ठ प्रशिक्षु शिक्षकों की,जो 40 डिग्री से ऊपर की गर्मी में भी पूरी तन्मयता से प्रशिक्षण ले रहे हैं,और दूसरी तस्वीर उस व्यवस्था की, जो इसी प्रशिक्षण के नाम पर सुविधाओं में कटौती कर 'मलाई' निकालने में जुटी दिखाई देती है, यह मामला अब केवल अव्यवस्था का नहीं रहा,बल्कि यह सवाल खड़ा कर रहा है कि क्या जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में भी 'कट' और 'कमीशन' की गुंजाइश निकाल ली गई है।

प्रशिक्षण कक्ष या तपता हुआ कमरा?

प्रशिक्षण केंद्रों की हालत ऐसी है कि वहां बैठना ही अपने आप में परीक्षा बन गया है,पंखे लगे जरूर हैं,लेकिन वे हवा कम और उम्मीद ज्यादा दे रहे हैं घूमते तो हैं,पर ठंडक देने की उनकी क्षमता जैसे छुट्टी पर चली गई हो,भीषण गर्मी में प्रशिक्षु शिक्षक पसीने से तरबतर होकर प्रशिक्षण ले रहे हैं,चेहरे पर पसीना,हाथ में नोट्स और मन में जिम्मेदारी यह दृश्य बताता है कि शिक्षक अपना कर्तव्य निभाने में पीछे नहीं हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या व्यवस्था का भी कोई कर्तव्य है,या वह सिर्फ आदेश जारी करने तक सीमित है?

200 रुपये की थाली का 'गणित'

सबसे ज्यादा चर्चा भोजन व्यवस्था को लेकर है। बताया जा रहा है कि प्रत्येक प्रशिक्षु के लिए

प्रतिदिन 200 रुपये चाय-नाश्ता और भोजन के लिए निर्धारित हैं,अब जरा थाली पर नजर डालिए दो रोटी,थोड़ा सा चावल,नाम मात्र की सब्जी और कभी-कभार एक पापड़,शिक्षकों का कहना है कि यह थाली 60 से 70 रुपये से ज्यादा की नहीं हो सकती,अब यहां असली गणित शुरू होता है थाली 70 की, बिल 200 का...बाकी 130 का हिसाब कौन देगा? यहां व्यंग्य खुद ही लिखता है– 'गणना जनगणना की हो रही है,लेकिन असली जोड़-घटाव कहीं और चल रहा है।'

भोजन का समय: भूख इंतजार करे, व्यवस्था नहीं–प्रशिक्षण का समय तय है, अवकाश का समय तय है, लेकिन भोजन का समय 'अनिश्चित' है,दोपहर का अवकाश डेढ़ बजे,लेकिन खाना पहुंचता है तीन बजे के बाद, तब तक शिक्षक कुछ न कुछ खाकर अपनी भूख शांत कर लेते हैं,जब भोजन आता है,तब जरूरत कम और औपचारिकता ज्यादा रह जाती है, यानी भूख समय पर लगती है,लेकिन व्यवस्था को समय से कोई मतलब नहीं।

कोरिया मिलेट्स की जिम्मेदारी, लेकिन गुणवत्ता पर सवाल

भोजन आपूर्ति की जिम्मेदारी 'कोरिया मिलेट्स' को दी गई है,लेकिन जिस तरह की शिकायतें सामने आ रही हैं,उससे यह सवाल उठता है कि क्या गुणवत्ता की निगरानी हो रही है या सिर्फ सप्लाई की गिनती? भीषण गर्मी में एक साथ तैयार किया गया भोजन प्लास्टिक के डिब्बों में बंद होकर विभिन्न केंद्रों तक पहुंचता है, सवाल यह है कि क्या वह भोजन तब तक खाने योग्य रह भी जाता है? शिक्षकों का कहना है कि कई बार खाना न ताजा लगता है, न संतोषजनक।

मेन्यू में पनीर,थाली में 'नाम मात्र'

पहले दिन तो पनीर का नाम ही नहीं था,दूसरे दिन मेन्यू में शामिल हुआ,लेकिन थाली में उसकी मौजूदगी 'ढूंढने' लायक रही,चार टुकड़े पनीर और एक चम्मच सब्जी–बस इतना ही 'विशेष भोजन' था,यहां व्यंग्य सीधा है– 'मेन्यू में पनीर, थाली में कहानी।'

कटौती का खेल थाली से जेब तक?

पूरे मामले का सबसे अहम पहलू यही है कि अगर 200 रुपये की राशि तय है,तो खर्च कम क्यों हो रहा है? अगर वास्तविक खर्च कम है और बिल भी उसी हिसाब से लगाया जा रहा है, तो कोई समस्या नहीं,लेकिन यदि बिल 200 का लगाया जा रहा है और खर्च 70 का हो रहा है,तो यह सीधा-सीधा कटौती का मामला बनता है, यानी–प्रशिक्षुओं की थाली हल्की और किसी की जेब भारी।

कर्तव्य बनाम 'कमाई का अवसर'

जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य के दौरान यह स्थिति दिखाती है कि जहां एक ओर कर्मचारी अपने कर्तव्य के प्रति गंभीर हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इसे 'कमाई का अवसर' मानकर चल रहे हैं, शिक्षक गर्मी में पसीना बहा रहे हैं,और व्यवस्था ठंडे दिमाग से हिसाब लगा रही है, यह विरोधाभास ही पूरे मामले का सार है।

जनगणना में आंकड़े गिने जाएंगे, 'कट' का हिसाब कौन देगा?

यह मामला सिर्फ पंखों या भोजन तक सीमित नहीं है,यह उस सोच को उजागर करता है,जहां हर योजना में 'कमीशन' की गुंजाइश ढूंढ ली जाती है,जरूरत है कि खर्च की पारदर्शी जांच हो,भोजन की गुणवत्ता और समय सुनिश्चित किया जाए और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय हो वरना यह सवाल बना रहेगा–'जनगणना में जनता गिनी जाएगी,लेकिन इस 'कटौती' का हिसाब कौन देगा?

डीजे विवाद बना मौत की वजह! अपहरण के बाद युवक ने चलती गाड़ी से कूदकर गंवाई जान

मारपीट और जबरन वाहन में बैठाने का आरोप,डर के कारण युवक ने लगाई छलांग,सिर में गंभीर चोट से मौत

-संवाददाता-
कोरिया,20 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

थाना बैकुंठपुर क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद ने एक युवक की जान ले ली,पुलिस द्वारा की गई जांच के अनुसार,ग्राम ठगगाव निवासी 21 वर्षीय विजेंद्र खैरवार की मौत के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है,घटना 24 फरवरी 2026 की है,मोहल्ले में ही शादी देखने गये बिजेंद्र शादी स्थल से अचानक गायब हो गया। पुलिस की जांच रिपोर्ट में मामला सामने आया की शादी समारोह में डीजे बजाने को लेकर विवाद शुरू हुआ,जाच में खुलासा हुआ कि रमेश साहू और नंदू उर्फ नंद किशोर यादव ने अपने साथियों के साथ मिलकर विजेंद्र खैरवार को जबरन पिकअप वाहन में बैठा लिया और उसके साथ मारपीट की बताया गया है कि मारपीट और भय के कारण विजेंद्र ने चलती पिकअप वाहन से छलांग लगा दी,जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। यही चोट उसकी मौत का कारण बनी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने इसे अपहरण और इरादतन हत्या लेते हुए धारा 138,105,3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है,इस मामले में पुलिस अधीक्षक कोरिया के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपियों से पूछताछ शुरू करने पर घटना करित करना कबूल किया गया इस घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन को भी जप्त कर लिया गया है दोनों आरोपीयों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है, इस मामले की विवेचना सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मी कश्यप आरक्षक रवि भगत सूरज यादव रोशन एक्का एवं पोड़ी बचरा चौकी के स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में स्वास्तिक सोनी ने 94.4% अंक प्राप्त कर बढ़ाया मान

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,20 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

केंद्रीय विद्यालय बैकुंठपुर के होनहार छात्र स्वास्तिक सोनी ने सीबीएसई 10 वीं बोर्ड परीक्षा में 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है, उनकी इस उत्कृष्ट उपलब्धि से परिवार सहित शिक्षकों और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। स्वास्तिक सोनी, संजय प्रसाद सोनी एवं श्रीमती संध्या सोनी के सुपुत्र हैं तथा घनश्याम प्रसाद सोनी के सुपौत्र हैं, उनकी इस सफलता पर परिवारजनों ने खुशी जाहिर करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है, विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने भी स्वास्तिक की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, स्वास्तिक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता,शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास को दिया है,उन्होंने बताया कि नियमित अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है।

कांग्रेस के दबाव और जनआक्रोश के आगे झुकी कंपनी,3 घंटे बाद 3 लाख की सहायता

दुर्घटना के बाद बवाल...कांग्रेस के दबाव में कंपनी ने दिया मुआवजा

- अंतिम संस्कार रोका,फिर झुकी कंपनी– परिजनों को मिली 3 लाख की मदद
- जनता का गुस्सा और कांग्रेस का दबाव, कंपनी को देना पड़ा मुआवजा
- मौत के बाद मचा आक्रोश,3 घंटे की जद्दोजहद के बाद मिली राहत राशि

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,20 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

ग्राम परसगढ़ी में डीवी प्रोजेक्ट के वाहन से हुई भीषण दुर्घटना में ग्राम पंचायत बंजी निवासी स्व. राजभान सिंह की दर्दनाक मृत्यु के बाद क्षेत्र में शोक के साथ-साथ गहरा आक्रोश भी फैल गया,घटना के तुरंत बाद ही पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने न्याय एवं उचित मुआवजे की मांग को लेकर अंतिम संस्कार रोक दिया,जिससे हालात बेहद संवेदनशील हो गए।

अंतिम संस्कार रोका, न्याय की मांग पर अड़े ग्रामीण–दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक उन्हें न्याय और ठोस मुआवजे का आश्वासन नहीं मिलेगा,तब तक अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा, सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग मृतक के घर के बाहर एकत्रित हो गए और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताने लगे,स्थिति को देखते हुए यह मामला तेजी से गंभीर होता गया और प्रशासन पर तत्काल हस्तक्षेप का दबाव बढ़ने लगा।

कांग्रेस नेतृत्व मौके पर,लगातार बना दबाव–सुबह लगभग सात बजे से ही ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर अध्यक्ष सौरव मिश्रा बंजी पहुंचकर मृतक के घर पर डटे रहे, उन्होंने लगातार पीड़ित परिवार और ग्रामीणों के साथ खड़े होकर उनकी मांगों को मजबूती से उठाया,कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों की बड़ी उपस्थिति ने माहौल को और अधिक प्रभावी बना दिया, जिससे प्रशासन को तत्काल कार्रवाई के लिए बाध्य होना पड़ा।

तीन घंटे बाद पहुंची कंपनी, शुरू हुई बातचीत– लगातार बढ़ते जनआक्रोश और राजनीतिक दबाव के चलते करीब तीन घंटे की प्रतीक्षा के बाद कंपनी के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे,सौरव मिश्रा के नेतृत्व में कंपनी प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के बीच विस्तृत बातचीत हुई, इस दौरान प्रमुख रूप से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता,इंश्योरेंस क्लेम की त्वरित प्रक्रिया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग रखी गई।

दबाव के आगे झुकी कंपनी, मौके पर दी 3 लाख की सहायता– ग्रामीणों के तीव्र आक्रोश और कांग्रेस नेताओं के दबाव के चलते कंपनी प्रबंधन को आखिरकार झुकना पड़ा,ग्रामवासियों की उपस्थिति में मृतक के पिता धन सिंह को तत्काल तीन लाख रुपये की नगद सहायता राशि प्रदान की गई,साथ ही कंपनी प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि इंश्योरेंस क्लेम की प्रक्रिया जल्द पूरी कर पीड़ित परिवार को अतिरिक्त मुआवजा भी दिलाया जाएगा।

पहले दिन से सक्रिय रही कांग्रेस– घटना के बाद से ही कांग्रेस नेताओं ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सक्रियता दिखाई। पूर्व विधायक गुलाब कमरों के नेतृत्व में विधायक प्रत्याशी रमेश सिंह, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी, जिला महामंत्री रफीक मेमन, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) रामनरेश पटेल और सौरव मिश्रा थाने पहुंचे थे, उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग जोरदार तरीके से उठाई थी।

'यह सिर्फ शुरुआत है,असली न्याय बाकी 'गुलाब कमरों–पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने स्पष्ट कहा कि तीन लाख की सहायता केवल प्रारंभिक मदद है, उन्होंने कहा कि वास्तविक न्याय तभी होगा जब दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी और पीड़ित परिवार को पूर्ण मुआवजा मिलेगा, उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि प्रशासन ने लापरवाही बरती तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी।

'परिवार के साथ खड़ी है कांग्रेस 'सौरव मिश्रा–ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक परिवार को पूरा न्याय नहीं मिल जाता,उन्होंने कहा कि यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि न्याय और जवाबदेही की लड़ाई है,जिसमें कांग्रेस हर स्तर पर साथ खड़ी रहेगी।

ग्रामीणों की एकजुटता से बढ़ा दबाव–पूरे घटनाक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। बंजी सरपंच एवं ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष देव कुमार सिंह, महामंत्री खोनेश्वर प्रसाद,स्नेहिल शुक्ला,प्रेम सिंह,उमेंद्र सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने एकजुट होकर पीड़ित परिवार के समर्थन में आवाज उठाई,ग्रामीणों की एकजुटता और राजनीतिक दबाव ने इस पूरे मामले में निर्णायक भूमिका निभाई।

राहत मिली,लेकिन न्याय की लड़ाई जारी– इस पूरे घटनाक्रम में कंपनी द्वारा तत्काल राहत राशि देना एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है,लेकिन पीड़ित परिवार और ग्रामीणों के लिए यह सिर्फ शुरुआत है, अब नजर इस बात पर टिकी है कि क्या दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी और क्या पीड़ित परिवार को पूरा मुआवजा मिलेगा फिलहाल एक बात साफ है जनआक्रोश और संगठित दबाव के आगे कंपनी को झुकना पड़ा, लेकिन न्याय की लड़ाई अभी जारी है।

CMYK

21 बरस पुराना वो कल्ट गाना,हसीना की हॉटनेस ने मचाया था गदर,छुप-छुपकर देखते थे लोग

रोमांटिक गाने सालों से लोगों का मन मनोरंजन करते आए हैं और आज भी ज्यादातर लोगों की पसंद रोमांटिक गाने हैं क्योंकि इन गानों के लिरिक्स कहीं ना कहीं लोगों की जिंदगी से रिलेट करते हैं। लेकिन 21 साल पहले एक ऐसा गाना आया था जो रोमांटिक तो था लेकिन लोग इसे छुप छुपकर देखा करते थे।ये गाना आज भी लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल है लेकिन उस वक्त जब ये टीवी पर आता था और इस बीच कोई आ जाए तो चैनल बदल दिया जाता था।

कौन सा है वो कल्ट सॉन्ग?

जिस कल्ट सॉन्ग की हम बात कर रहे हैं वह है आशिक बनाया आपने जो कि इसी नाम की फिल्म का टाइटल सॉन्ग है। जिसे इमरान हाशमी और तनुश्री दत्ता पर फिल्माया गया था। इस गाने में दोनों एक्टर्स ने कई हॉट सीन दिए थे और गाना बोल्डनेस से भरा हुआ था। इस गाने के विजुअल इतने बोल्ड थे कि लोग इसे छुप-छुपकर देखा करते थे। वहीं अगर ये टीवी पर चल रहा होता था और अगर कोई आ जाता था तो तुरंत चैनल बदल दिया जाता था।

फिल्म में था लव ट्रायंगल

इस गाने को हिमेश रेशमिया और श्रेया घोषाल ने आवाज दी थी। वहीं इमरान हाशमी और तनुश्री दत्ता पर इसे फिल्माया गया था। यह गाना इसी टाइटल की फिल्म का है जो 2005 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को आदित्य दत्त ने डायरेक्ट किया था और यह अमेरिकी फिल्म टैंगल्ड से प्रेरित थी। जिसमें इमरान खान, तनुश्री दत्ता और सोनू सूद ने लीड रो प्ले किया था। यह रोमांटिक फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

क्या है फिल्म की कहानी?

आशिक बनाया आपने की कहानी करण (सोनू सूद), विक्की (इमरान हाशमी) और स्नेहा (तनुश्री दत्ता) की है। करण, स्नेहा को चाहता है लेकिन शर्म के मारे वह इजहार नहीं कर पाता। वहीं एक दिन वह पार्टी में अपने दोस्त विक्की और स्नेहा दोनों को बुलाता है जहां स्नेहा, विक्की की तरफ आकर्षित होती है। कहानी में मोड़ तब आता है जब स्नेहा अपने प्यार का विश्वास दिलाने के लिए विक्की के साथ रिलेशन बना लेती है लेकिन करण को यह पसंद नहीं आता। तो क्या विक्की और स्नेहा एक हो जाते हैं या फिर करण स्नेहा से अपने प्यार का इजहार कर देता है? यही फिल्म में दिखाया जाता है।

भूमिका दत्ता ने 'इत्ती सी ख़ुशी' में अपने किरदार पर कही ये बात

सोनी सब का इत्ती सी खुशी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, जहाँ विराट (रजत वर्मा) और अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) का रिश्ता मज़बूत होता जा रहा है। इसी बीच सारा सेठी की एंट्री, जिसे भूमिका गुरुंग निभा रही हैं, कहानी में नया मोड़ ला रही है। आत्मविश्वासी और आकर्षक सारा का इरादा साफ है, वह विराट को अपने पक्ष में करना चाहती है और उसकी मौजूदगी धीरे-धीरे उनके रिश्ते को प्रभावित कर रही है, भावनाओं की परीक्षा ले रही है और समीकरण बदल रही है। भूमिका गुरुंग ने एक खुले दिल से बातचीत में बताया कि कैसे उन्होंने सारा के जटिल मनोविज्ञान को समझते हुए इस किरदार को निभाया। उन्होंने साझा किया कि यह ग्रे-शेड वाला रोल क्यों खास है और स्क्रीन पर एक मज़बूत, बारीकियों से भरे निगेटिव किरदार को जीवंत करने का उनका अनुभव कैसा रहा। जब आपको पहली बार इत्ती सी खुशी के लिए अप्रोच किया गया, तो शो या किरदार में सबसे पहले क्या चीज़ आपको आकर्षित कर गई? जब मुझे इस रोल के लिए अप्रोच किया गया, तो सबसे पहले सारा की 'बॉस लेडी' एनर्जी ने मुझे आकर्षित किया। मुझे लगता है कि हर लड़की के अंदर यह ताकत होती है, लेकिन यह हमेशा सामने नहीं आती। सारा उस शक्ति को बिना किसी झिझक के अपनाती है। उसका आत्मविश्वासी, मज़बूत और थोड़ा डराने वाला आभा मेरे लिए एक्टर के तौर पर बेहद रोमांचक थी।

सारा को अलग बनाता है यह कि उसके कदम सिर्फ प्यार या रिश्ते तोड़ने की चाह से नहीं आते। उसकी हर कार्रवाई उसके अतीत के दर्द और खुद को कम आँके जाने की भावना से निकलती है। उसने एक रिश्ते में अपना सब कुछ दिया, लेकिन उसे वह प्यार और सम्मान नहीं मिला, जिसकी वह हकदार थी। अब वह और मज़बूत होकर लौटी है, यह साबित करने के लिए कि जो उसका है, उसे वह वापस पाएगी। यही भावनात्मक परतें उसे मेरे पहले किए गए किरदारों से बिल्कुल अलग बनाती हैं।

क्या आपने सारा को निभाते समय किसी रेफरेंस या इंस्पिरेशन से मदद ली?

कोई खास रेफरेंस तो नहीं था, लेकिन आइडिया यही था कि सारा को एक मॉडर्न-डे महिला की तरह दिखाया जाए कोई जो पॉवरफुल हो, क्लासी हो और अपनी मौजूदगी को लेकर पूरी तरह जागरूक हो। हम चाहते थे कि वह ऐसी लगे, जिसे ज़्यादा बोलने की ज़रूरत न पड़े, फिर भी उसका असर साफ दिखाई दे।

क्या कोई ऐसा सीन या पल था,जिसने सारा को निभाते समय आपको सबसे ज़्यादा चुनौती दी?

मैं इसे मुश्किल चुनौती नहीं कहूँगी,बल्कि यह मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा है। सारा जैसे किरदार आपको परफॉर्म करने और एक्सपेरिमेंट करने का बहुत स्कोप देते हैं। उसकी पर्सनैलिटी में कई परतें हैं और यही हर सीन को दिलचस्प बनाता है,क्योंकि आप लगातार नए शेड्स खोजते रहते हैं।

बतौर एक्ट्रेस पसंद नहीं करते,राजा शिवाजी में कास्टिंग को लेकर विद्या बालन ने खोला राज

अभिनेता रितेश देशमुख की अपकमिंग मराठी फिल्म में एक्ट्रेस विद्या बालन भूमिका अदा करती हुई नजर आएंगी...

बॉलीवुड और मराठी सिनेमा क सुपरस्टार रितेश देशमुख का नाम इन दिनों उनकी अपकमिंग फिल्म राजा शिवाजी को लेकर चर्चा में बना हुआ है। इस मराठी सिनेमा की पेशकश में हिंदी सिनेमा के कई दिग्गज कलाकार शामिल हैं,जिनमें अभिनेत्री विद्या बालन का नाम भी शामिल है। लेकिन राजा शिवाजी में विद्या की कास्टिंग का किस्सा बेहद दिलचस्प है,जिसका खुलासा एक्ट्रेस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान किया है। आइए जानते हैं कि वह रितेश की इस फिल्म का हिस्सा कैसे बनीं।

कैसे राजा शिवाजी में हुई विद्या बालन की एंट्री

मंगलवार को मुंबई में रितेश देशमुख की पीरियड ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी का ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। जिसमें फिल्म की कास्ट और मेकर्स शामिल रहे। इस दौरान विद्या बालन भी मौजूद रहीं, जिन्होंने मीडिया से बात करते हुए राजा शिवाजी में अपनी कास्टिंग को लेकर राज खोला। एक्ट्रेस ने कहा- मैंने जैसे ही सुना कि रितेश देशमुख एक फिल्म बना रहे हैं, जो महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। ये सुनकर मैं एक्साइटेड हो गई थी। लेकिन मेरा पास फिल्म का ऑफर नहीं आया था। संजू और अभिषेक इसका हिस्सा बन चुके थे। रितेश मेरे पास अभी तक नहीं आए। मुझे लगा कि शायद रितेश बतौर एक्ट्रेस मुझे पसंद नहीं करते हैं। लेकिन बाद में वह आए और इस तरह से मुझे ये फिल्म। मैं लंबे समय से मुंबई में रही हूं और इस आधार पर मराठी फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। इस तरह से तरह से विद्या बालन ने राजा शिवाजी में अपनी कास्टिंग को लेकर किस्सा सुनाया। बता दें कि इस फिल्म में विद्या बड़ी बेगम का अहम किरदार निभाती हुई नजर आएंगी, जो मुगल शासक आदिल शाह की पत्नी थीं। फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री का दमदार कैरेक्टर नजर आया है।

कब रिलीज होगी राजा शिवाजी

बतौर निर्देशक और एक्टर रितेश देशमुख राजा शिवाजी लेकर आ रहे हैं। उनकी इस मराठी मूवी को 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की फुल कास्ट की तरफ गौर किया जाए तो उसमें रितेश देशमुख, विद्या बालन, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, जेनेलिया डिसूजा, महेश मांजरेकर और फरदीन खान जैसे कलाकार नजर आएंगे।

कृतिका कामरा,विजय वर्मा ने मैटका किंग स्ट्रीम पर ऑन-सेट इक्वेशन पर चर्चा की

लोकप्रिय वेब सीरीज मैटका किंग के सेट पर अभिनेता विजय और अभिनेत्री कृतिका के बीच का सहयोग दर्शकों और आलोचकों दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में दोनों ने एक इंटरव्यू में अपने अनुभव साझा किए, जिसमें उन्होंने यह बताया कि उनके ऑन-स्क्रीन प्रदर्शन की सफलता का राज़ टीम वर्क और सहयोग में निहित है। कृतिका ने विजय के अभिनय दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि वह व्यक्तिगत प्रदर्शन के बजाय सीन की जरूरतों पर अधिक ध्यान देते हैं। उन्होंने बताया, ÷विजय वास्तव में एक तेज अभिनेता हैं और वह खुद के लिए नहीं बल्कि सीन के लिए खेलते हैं। मुझे लगता है कि यह उनके प्रशिक्षण, जिज्ञासा और देने वाले स्वभाव से आता है। कृतिका ने आगे बताया कि इस दृष्टिकोण ने उनके साथ काम करने की प्रक्रिया को अपेक्षाकृत सरल बना दिया। दोनों कलाकार बिना अधिक योजना बनाए, सामग्री पर प्रतिक्रिया देने में सक्षम हुए। वहीं विजय ने भी इस दौरान अपने अनुभव साझा किए।

खेल समाचार

अफ़गानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान दिल्ली में जिंदगी के लिए जूझ रहे

अफ़गानिस्तान,20 अप्रैल 2026। अफ़गानिस्तान के पूर्व पेसर शापूर ज़ादरान एक रेयर और गंभीर बीमारी की वजह से दिल्ली के एक हॉस्पिटल के एचएलएच में अपनी ज़िंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। पिछले साल हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसिस्टोसिस का पता चलने के बाद, शापूर का इम्यून सिस्टम बहुत कमज़ोर हो गया है।एचएलएच जो आमतौर पर छोटे बच्चों में होता है, ने उनके बोन मैरो, लिवर, स्प्लीन और लिम्फ ग्लैंड्स में गंभीर खराबी पैदा कर दी है,जिससे वह ज़िंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

38 साल के शापूर ने 17 साल पहले अफ़गानिस्तान क्रिकेट में डेब्यू किया था और अपनी हाइट (6'2),घुंघराले बालों और तेज़ बॉलिंग के लिए जाने जाते थे। 2009 से 2020 तक अपने इंटरनेशनल करियर में, उन्होंने 44 ओडीआई और 36 टी 20 खेले,जिसमें कुल 80 मैच शामिल थे। अपने टैलेंट और एथलेटिसिज़्म के बावजूद, उनकी मौजूदा हेल्थ प्रॉब्लम ने क्रिकेट कम्युनिटी को बहुत ज़्यादा प्रभावित किया है। पिछले अक्टूबर में शापूर की हालत बिगड़ गई,जिससे उनके परिवार को भारत में एडवांस्ड ट्रीटमेंट लेना पड़ा। पूर्व कप्तान और स्पिनर राशिद खान और अफ़गानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट मीरवाइज़ अशरफ़ की मदद से, शापूर ने इंडियन वीज़ा हासिल किया और 18 जनवरी को दिल्ली पहुँचे। तब से वह लगातार मेडिकल केयर में हैं, और कई कॉम्प्लीकेशंस से जूझ रहे हैं।

एक टीम के मालिक ने काला जादू जैसी हरकत की थी

आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी का दावा

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2026। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने एक वायरल चिट्ठी को फर्जी बताया है,जिसमें आरोप लगाया गया था कि चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबले के दौरान काला जादू किया गया था। यह विवाद राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए मैच के एक वीडियो से शुरू हुआ,जिसमें एक फैन को नींबू का टोटका करते हुए दिखाया गया था। यह तब हुआ जब चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज शिवम दुबे, सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज साकिब हुसैन का सामना करने की तैयारी कर रहे थे।

इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से कथित शिकायत पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसकी पुष्टि नहीं हुई है। ललित मोदी ने सोमवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, इस बार मामला फर्जी लगता है,लेकिन एक टीम मालिक पहले इस तरह की प्रथा में शामिल रहा है। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि मैंने एक बार किसी टीम के मालिक का वीडियो पोस्ट किया था,जिसमें वह विरोधी टीम के साथ ऐसा कर रहे थे। वह विरोधी टीम के ड्रेसिंग रूम में जाकर ठीक यही हरकत कर रहा था। मैंने 2011 के सीजन में ही विरोधी टीम के मालिकों को इस बारे में आगाह कर दिया था, जब यह घटना हुई थी और मुझे पक्के सबूतों के साथ इसकी जानकारी मिली थी।

बीसीसीआई ने किया 35 खिलाड़ियों की लिस्ट तैयार

आईपीएल 2026 में कमाल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम इंडिया का टिकट मिल सकता है। इसी बीच श्रेयस अय्यर को कप्तानी देने की बात भी सामने आ रही है...

नई दिल्ली,20 अप्रैल 2026। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब केवल एक मजबूत टीम बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए बेंच स्ट्रेंथ का एक ऐसा किला तैयार कर रहा है जो एक साथ दो अलग-अलग देशों में जाकर खेल सके। आईपीएल से लगातार निकल रहे मैच-विनर खिलाडि़यों ने सेलेक्टर्स को बे ा सोचने का मौका दिया है। बोर्ड अब 30-35 खिलाडि़यों का एक ऐसा स्पेशल पूल तैयार करने की योजना बना रहा है जिससे दो तगड़ी टी20 टीमें एक साथ मैदान में उतारी जा सकें।

बीसीसीआई दो टीमें बनाने की तैयारी में

इस रणनीति की जरूरत इसलिए पे ी है क्योंकि इस साल के अंत में भारत के अंतरराष्ट्रीय दौरे आपस में टकरा रहे हैं। एक तरफ जहां टीम इंडिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है वहीं दूसरी ओर उसी समय एशियाई खेलों का आयोजन भी होना है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा,एशियाई खेल और भारत बनाम वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर होने जा रही हैं। ऐसे में हमें दो अलग-अलग टी-20 टीमों को उतारने की तैयारी करनी होगी। अब यह जरूरी हो गया है कि हमारे पास 30-35 क्रिकेटरों का ऐसा पूल हो जिन्हें किसी भी अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट के लिए तुरंत बुलाया जा सके।

हर एक सीरीज पर सेलेक्टर्स की नजरें

आमतौर पर आयरलैंड जैसे दौरों पर बेंच स्ट्रेंथ को आजमाया जाता है लेकिन इस बार टीम का विस्तार बड़ा होगा ताकि एशियन गेम्स के लिए खिलाड़ियों की परख की जा सके। इसके अलावा सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज भी सेलेक्टर्स के रडार पर है। बीसीसीआई का लक्ष्य केवल मौजूदा सीरीज जीतना नहीं बल्कि 2028 ओलंपिक जैसे बड़े मंचों के लिए भी खिलाडि़यों की एक फौज तैयार रखना है।

इन खिलाड़ियों पर है सेलेक्टर्स की नजरें

सेलेक्टर्स की इस लिस्ट में आईपीएल के चमकते सितारों का दबदबा साफ दिख रहा है। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी,प्रियांश आर्य और अंगकृष रघुवंशी जैसे निडर बल्लेबाजों पर नजरें हैं तो मिडिल ऑर्डर के लिए रजत पाटीदार और आयुष बदोनी जैसे नाम चर्चा में हैं। ऑलराउंडर की भूमिका में शशांक सिंह और अनुकूल रॉय जैसे खिलाडि़यों को मौका मिल सकता है जो टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी विभाग में रवि बिश्नोई की फिरकी के साथ खलील अहमद, प्रसिद्ध कृष्णा और कार्तिक त्यागी की रफ्तार पर भरोसा जताया जा सकता है।

श्रेयस अय्यर बनाए जा सकते हैं कप्तान

विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी के लिए ध्रुव जुरेल मुख्य दावेदार बनकर उभरे हैं जबकि टीम की कमान पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को सौंपी जा सकती है। साफ है कि बीसीसीआई अब केवल टॉप 15 खिलाड़ियों की तलाश में नहीं है बल्कि वह 35 ऐसे खिलाड़ी चाहता है जो दुनिया की किसी भी टीम को चुनौती दे सकें।

रॉबन्संस गोल और कैथ के शानदार खेल से मोहन बागान ने बारिश से प्रभावित आईएलसी मुकाबले में नॉर्थईस्ट को 1-0 से हराया

गुवाहाटी,20 अप्रैल 2026। इंडियन सुपर लीग 2025-26 में गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में बारिश से प्रभावित मैच में मोहन बागान सुपर जायंट ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफ सी को 1-0 से हरा दिया। डिफेंडिंग चैंपियन ने रॉबसन की मदद से पांच मिनट के अंदर बढ़त बना ली,जो एक अच्छे मूव को पूरा करने के लिए बॉक्स में देर से पहुंचे, और फिर मुश्किल हालात में विशाल कैथ की लीडरशिप में डिसिप्लिन्ड डिफेंसिव खेल पर भरोसा किया। इस जीत के साथ,मोहन बागान स्त्र नौ मैचों में 20 पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर पहुंच गया है, जिससे मुंबई सिटी FC पर दो पॉइंट्स की बढ़त हो गई है। वहीं, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी इतने ही मैचों में सात पॉइंट्स के साथ 12वें स्थान पर बना हुआ है।

मैरिनर्स ने शानदार शुरुआत की और शुरुआती मौकों से ही इरादा दिखाया, जिसमें जेमी मैकलारेन ने तीसरे मिनट में दाईं ओर से तेजी से दौड़ लगाई, लेकिन हाईलैंडर्स के राइट बैक रॉबिन यादव के सही समय पर इंटरसेप्शन ने उन्हें रोक दिया।

इसके तुरंत बाद पांचवें मिनट में एक आसान अटैकिंग मूव से ब्रेकथ्रू मिला। लिस्टन कोलाको ने दाईं ओर से खेल शुरू किया और सहल अब्दुल समद को पास दिया, जिन्होंने बॉक्स में ड्राइव किया और फिर बॉल को वापस सेंटर में भेज दिया। रॉबसन ने अपनी दौड़ का सही समय पर इस्तेमाल किया, पास को संभाले हुए दाएं पैर से नेट के ऊपर फिनिश किया, जिससे मोहन बागान को शुरुआती बढ़त मिल गई। मोहन बागान ने पहले हाफ में पज़ेशन बनाए रखा, जेसन कमिंग्स, सहल और रोबिन्हो सभी ने नॉर्थईस्ट के डिफेंस को परखा, लेकिन गुरमीत सिंह गोल में मजबूती से खड़े रहे और मार्जिन को एक पर बनाए रखा। भारी बारिश ने हालात को और मुश्किल बना दिया, बॉल अचानक स्किड हो रही थी और दोनों टीमें आखिरी तीसरे हिस्से में कंट्रोल बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही थीं।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड धीरे-धीरे गेम में आगे बढ़ी और उन्हें 36वें मिनट में पहला असली मौका मिला जब पार्थिब गोगोई को पास दिया गया, लेकिन विशाल कैथ ने स्मार्ट तरीके से अपनी लाइन से बाहर आकर एंगल को छोटा कर दिया और कोशिश को वाइड कर दिया। पहले हाफ के आखिर में मेज़बान टीम के पास बॉल ज़्यादा थी, फिर भी मोहन बागान का डिफेंस मज़बूत रहा, जिससे गुवाहाटी में तूफ़ानी रात में इंटरवल तक उनकी थोड़ी सी बढ़त बनी रही। भारी बारिश की वजह से लंबे ब्रेक के बाद दूसरा हाफ फिर से शुरू हुआ, और हालात खेल की रफ़्तार पर असर डालते रहे। दोनों टीमों को लगातार अटैक करने में मुश्किल हुई, हालांकि नॉर्थईस्ट ने बराबरी करने के लिए ज़्यादा तेज़ी दिखाई।

मैकार्टन निक्सन और थोई सिंह दोनों ने दूर से अपनी किस्मत आज़माई, जबकि विशाल कैथ दूर से आने वाले गोल को रोकने के लिए अलर्ट रहे। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, हाइलैंडर्स ने एक पॉइंट बचाने का मौका भांपते हुए और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाया। उनका सबसे अच्छा मौका स्टॉपेज टाइम में आया जब सब्स्टीट्यूट अंकित पद्मनाभन को बॉक्स के अंदर जगह मिली, लेकिन कैथ ने तेज़ी से रिएक्ट करते हुए एक ज़रूरी बचाव किया। रिबाउंड पर जैरो सैम्पेरियो ने गेंद गिरी, जिसकी कोशिश को सेंटर बैक मेहताब सिंह ने बहादुरी से रोक दिया, जिससे मोहन बागान की बढ़त बनी रही। कुछ देर बाद, मेहताब को फिर से एक्शन में बुलाया गया, और उन्होंने एंडी रोड्रिगेज को रोकने के लिए एक और ज़रूरी क्लीयरेंस किया। आखिर में, रॉबसन का शुरुआती गोल मोहन बागान सुपर जायंट के लिए मुश्किल हालात में तीनों पॉइंट्स हासिल करने के लिए काफी साबित हुआ।

पीबीकेएस की जीत के बाद प्रीति जिंटा ने अर्शदीप को गले लगाया

अमृतसर,20 अप्रैल 2026।पंजाब किंग्स के आईपीएल 2026 में लगातार 6 वीं जीत हासिल करने के बाद अर्शदीप सिंह के लिए यह यादगार पल था। मैच के बाद,सिंह पीबीकेएस की मालिक प्रीति जिंटा से मिले,जिन्होंने उन्हें प्यार से गले लगाया। इसके बाद तेज गेंदबाज ने भी इसका जश्न मनाया,वायरल वीडियो में बॉलीवुड के दिग्गज खिलाड़ी मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अर्शदीप ने खुशी से जश्न मनाया एक और जीत हासिल करने के बाद, पीबीकेएस की मालिक प्रीति जिंटा को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और मोहम्मद शमी के साथ बातचीत करते देखा गया।

बातचीत के दौरान, जिंटा ने दिल को छू लेने वाले पल में अर्शदीप को गले लगाकर बधाई दी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बहुत खुश लग रहे थे। सिंह ने हवा में मुक्के मारते हुए जमकर जश्न मनाया। साथ में मौजूद जिंटा भी हंस पड़ीं। यह पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। ऑनलाइन नेटिज़न्स ने तो यह भी कहा कि पीबीकेएस के खिलाड़ी मैच जीतने से ज़्यादा प्रीति जिंटा से गले मिलने के बाद जश्न मना रहे हैं। पंजाब ने हाई स्कोरिंग थ्रिलर में लगातार छठी जीत हासिल की पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, क्योंकि उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर छह मैचों में हार नहीं मानी। यह जीत प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली के बीच रिकॉर्ड पार्टनरशिप की वजह से मिली, जिन्होंने मिलकर ज़रूरी रन जोड़कर पंजाब को मज़बूत स्थिति में पहुँचाया। उनकी इस साझेदारी ने एक हाई-स्कोरिंग गेम की नींव रखी, जिससे टीम को सीज़न की अपनी शानदार शुरुआत बनाए रखने में मदद मिली। 255 रनों का पीछा करते हुए, लखनऊ सुपर जायंट्स ने मिशेल मार्श (40), आयुष बडोनी (35) और ऋषभ पंत (43) के योगदान से अच्छी शुरुआत की। एडेन मार्करम ने भी 42 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा जारी रखा। हालाँकि, लक्ष्य बहुत बड़ा साबित हुआ। रेगुलर विकेट गिरने और बढ़ते रन रेट ने स्त्र को गेम में पीछे कर दिया, और वे 20 ओवर में 200/5 पर आउट हो गए।

नकली दवा कांड : पूरा सिस्टम चुप, एनएसयूआई को सिर्फ एक चेहरा दिखा क्यों?

खुलासा करने वाला दोषी,सिंडिकेट सुरक्षित-यह कैसी कार्रवाई?

- सिस्टम बचाओ अभियान या सच दबाओ? नकली दवा कांड में उठे बड़े सवाल
- ढाई लाख बनाम 25 लाखः आंकड़ों में खेल या सिस्टम का मेल?
- एक पर कार्रवाई,बाकी पर चुप्पी-नकली दवा कांड में चयनात्मक आक्रोश

जांच से पहले गायब...दुकान, जांच के बाद गायब...जवाब

एनएसयूआई की आवाज या किसी का इशारा? सवालों में विरोध की दिशा

खुलासा करने वाला ही कठघरे में, और सवालों के घेरे में पूरा सिस्टम

न्यूज डेस्क

रायपुर,20 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

नकली दवा कांड अब सिर्फ अवैध कारोबार का मामला नहीं रहा,बल्कि यह ऐसा आईना बन चुका है जिसमें सिस्टम की परतें,राजनीति की मंशा और संगठनों की 'चयनात्मक सक्रियता' साफ दिखाई दे रही है, सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि जिस कार्रवाई ने पूरे सिंडिकेट को उजागर किया,उसी कार्रवाई से जुड़े अधिकारी पर सबसे ज्यादा उंगली उठ रही है, सवाल यह नहीं कि कार्रवाई सही थी या गलत,सवाल यह है कि पूरा सिस्टम होते हुए भी निशाना सिर्फ एक व्यक्ति क्यों? जब एक ओर विपक्ष की बड़ी राजनीतिक ताकत खामोश नजर आती है और उसकी ही एक छात्र इकाई अचानक मुखर होकर सिर्फ एक नाम पर टिक जाती है, तो यह स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा करता है, क्या यह सच में न्याय की लड़ाई है,या फिर कहानी को एक दिशा में मोड़ने की कोशिश? इसी सवाल के इर्द-गिर्द यह पूरा मामला अब एक प्रशासनिक जांच से ज्यादा एक 'सिस्टम बनाम सच' की लड़ाई बनता जा रहा है।

एनएसयूआई की 'जागृति' या चयनात्मक सक्रियता?

नकली दवा कांड में विपक्ष की भूमिका सबसे पहले सवालों के घेरे में आती है, पूरी कांग्रेस जहां इस मुद्दे पर अपेक्षाकृत शांत दिखाई देती है, वहीं उसकी छात्र इकाई एनएसयूआई अचानक सक्रिय हो जाती है, रायपुर के जिलाध्यक्ष शांतनु झा जोरदार तरीके से सहायक औषधि नियंत्रक संजय कुमार नेताम पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं,मांग करना गलत नहीं है, लेकिन सवाल यह है कि क्या पूरा नकली दवा कांड सिर्फ एक व्यक्ति का मामला है? जमीनी हकीकत और विभागीय हलचल कुछ और कहानी कहती है,सूत्र बताते हैं कि यह एक पुराना सिंडिकेट है,जो वर्षों से सक्रिय रहा है, ऐसे में केवल एक अधिकारी पर कार्रवाई की मांग करना 'चयनात्मक आक्रोश' की श्रेणी में आता है,तो फिर विरोध भी उसी स्तर का होना चाहिए,लेकिन यहां स्थिति उलट है पूरा सिस्टम चर्चा में है, लेकिन आवाज सिर्फ एक नाम पर अटक गई है,यहां व्यंग्य यही है कि जहां पूरी किताब पढ़ने की जरूरत है,वहां सिर्फ एक पन्ना फाड़कर बहस हो रही है।

सूचना, जब्ती और आंकड़ों का खेल-इस पूरे मामले में सबसे बड़ा अंतर सामने आता है जब्ती के आंकड़ों में,पहली कार्रवाई में दवाएं लगभग 2.5 लाख रुपये की बताई गईं,दूसरी कार्रवाई में यही आंकड़ा बढ़कर 25 लाख रुपये हो गया, यह अंतर केवल संख्या का नहीं है,बल्कि यह पूरी जांच प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है, अगर पहली बार सब सही था,तो दूसरी बार इतना अंतर क्यों? और अगर दूसरी बार सही था,तो पहली बार क्या हुआ?

विभाग के भीतर की खींचतान और खामोशी-सूत्र बताते हैं विभाग के अंदर ही इस मामले को लेकर दो धड़े सक्रिय थे,एक धड़ा इस मामले को उजागर करना चाहता था,जबकि दूसरा इसे दबाए रखना चाहता था,इसी कारण बताया जाता है कि नकली दवाएं करीब दो महीने तक ट्रांसपोर्ट में पड़ी रहीं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई,यह स्थिति खुद बताती है कि मामला सिर्फ बाहरी नहीं,बल्कि आंतरिक भी है,यह भी आरोप है कि कुछ विभागीय कर्मचारी इस मामले को दबाए रखना चाहते थे, यानी मामला सामने ही न आए,यही कोशिश थी, फिर अचानक कार्रवाई होती है और पूरा नेटवर्क उजागर हो जाता है, यह घटनाक्रम खुद ही कई सवाल खड़े करता है।

जांच से पहले 'गायब' सच्चाई और बाद में औपचारिक कार्रवाई-नकली दवा कांड का अगला और सबसे चर्चित पहलू प्रेम प्रकाश एजेंसी से जुड़ता है, जिसने पूरे घटनाक्रम को और अधिक संदिग्ध बना दिया। इस एजेंसी का नाम सामने आने के बाद माना जा रहा था कि अब जांच की दिशा साफ होगी और ठोस कार्रवाई देखने को मिलेगी,लेकिन घटनाक्रम ने यहां भी अलग ही मोड़ ले लिया, बताया जाता है कि इस एजेंसी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए गए। यदि लगातार मीडिया,विशेषकर दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र इस मामले को प्रमुखता से प्रकाशित नहीं करता,तो संभवतः यह नाम भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाता,मीडिया के दबाव के बाद ही प्रशासन सक्रिय होता है और जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ती है,लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल तब खड़ा होता है जब जांच से पहले ही एजेंसी को इसकी भनक लग जाती है। परिणाम यह होता है कि जिस दुकान पर जांच होनी थी,वह रातों-रात खाली हो जाती है। जब जांच टीम मौके पर पहुंचती है,तो वहां न कोई दवा मिलती है,न कोई दस्तावेज–सिर्फ एक खाली दुकान,जांच टीम में शामिल अधिकारी ईश्वरी नारायण सिंह मौके पर पहुंचते हैं और अपने साथ औषधि निरीक्षक नीरज साहू को भी शामिल कर लेते हैं,जबकि बताया जाता है कि उस दिन नीरज साहू अवकाश पर थे,इसके बावजूद वे जांच में शामिल होते हैं और दोनों अधिकारी उस खाली दुकान में औपचारिक जांच पूरी करते हैं, परिणाम वही–कुछ नहीं मिला, कार्रवाई–फिर वही पुरानी–वेतन वृद्धि रोकना,यह पूरा घटनाक्रम यह संकेत देता है कि जांच प्रक्रिया कहीं न कहीं औपचारिकता तक सीमित रह गई, सवाल यह भी उठता है कि जब जांच से पहले ही दुकान खाली हो गई थी,तो क्या यह महज संयोग था या किसी स्तर पर सूचना पहले ही पहुंचा दी गई थी?

खुलासा करने वाला ही क्यों निशाने पर?-

इस पूरे प्रकरण का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि जिस अधिकारी की कार्रवाई से नकली दवाओं का जखीरा सामने आया, वही आज कटघरे में खड़ा है, जानकारी के अनुसार, एक सूचना पहले औषधि निरीक्षक नीरज साहू तक पहुंची, लेकिन वहां कार्रवाई सीमित रही, बाद में यही सूचना संजय कुमार नेताम तक पहुंची, जिन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारी दीपक अग्रवाल के निर्देश पर कार्रवाई की और लगभग 25 लाख रुपये की दवाएं जब्त कर लीं, अब वही अधिकारी निलंबन और जांच का सामना कर रहे हैं, क्या यह व्यवस्था का तरीका है खुलासा करो और सजा पाओ?

होटल वाली मुलाकातः साजिश या संयोग?-

जिस घटना को आधार बनाकर कार्रवाई की गई, वह एक होटल की है, बताया जाता है कि विभाग के एक कर्मचारी द्वारा आयोजित लंच पार्टी में संजय नेताम पहले से मौजूद थे, इसी दौरान संबंधित आरोपी वहां पहुंच जाता है और दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से बातचीत होती है, न कोई बंद कमरा, न कोई छुपी बैठक सब कुछ खुले में, फिर एक पत्रकार वहां पहुंचता है, वीडियो बनता है और कहानी गढ़ी जाती है कि 'लेनदेन हो रहा है' या 'दस्तावेज दिखाए जा रहे हैं, लेकिन वीडियो में न कोई पैसा दिखता है न कोई दस्तावेज स्पष्ट होते हैं इसके बावजूद कार्रवाई हो जाती है, यहां व्यंग्य यह है कि सबूत न होने के बाद भी फैसला पहले हो गया, और जांच बाद में शुरू हुई।

जांच टीम और 'करीबी समीकरण'

जांच में ईश्वरी नारायण सिंह और नीरज साहू की भूमिका भी चर्चा में है,बताया जाता है कि छुट्टी के दिन भी दोनों साथ जांच करने पहुंचे, जांच का परिणाम-कुछ नहीं, कार्रवाई—वेतन वृद्धि रोकना, यानी गंभीर मामला,हल्की कार्रवाई,यह संतुलन अपने आप में एक व्यंग्य बन जाता है।

कार्रवाई में अंतरः नियम या 'रिश्ते'?

इस पूरे प्रकरण में कार्रवाई का पैटर्न भी सवाल खड़ा करता है, कुछ अधिकारियों पर सिर्फ वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई होती है, जबकि अन्य पर निलंबन, एक ही मामले में अलग-अलग सजा-क्या यह नियम है या रिश्तों का असर?

विभाग के 'वजीर' और सिस्टम पर नियंत्रण की चर्चा

इस पूरे प्रकरण में विभाग के भीतर प्रभावशाली व्यक्तियों की भूमिका को लेकर भी लगातार चर्चा हो रही है,सूत्रों के अनुसार,बेणीराम साहू को औषधि विभाग में एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है,जो पर्दे के पीछे रहकर पूरे सिस्टम को प्रभावित करते हैं,कहा जाता है कि विभाग के कई निर्णय उनके प्रभाव में लिए जाते हैं और उनके करीबी अधिकारियों को संरक्षण मिलता है,यही कारण बताया जा रहा है कि गंभीर मामलों में भी सख्त कार्रवाई के बजाय सीमित दंड जैसे वेतन वृद्धि रोकने तक ही बात सिमट जाती है, यहां तक चर्चा है कि यदि विभाग में सक्रिय कुछ प्रमुख नाम—जैसे नीरज साहू,ईश्वरी नारायण सिंह और अन्य संबंधित अधिकारियों को एक साथ उस संभाग से हटाकर अन्यत्र पदस्थ कर दिया जाए,तो नकली दवाओं के इस नेटवर्क पर बड़ा असर पड़ सकता है,लेकिन ऐसा होना अभी दूर की बात नजर आता है,सूत्र यह भी बताते हैं कि पहले एक बार बेणीराम साहू को हटाने का प्रयास किया गया था और उन्हें कोरिया भेजा गया था,लेकिन प्रभाव इतना मजबूत रहा कि वे वहां ज्वाइन किए बिना ही पुनः रायपुर में अपनी स्थिति मजबूत कर लौट आए और पहले से अधिक प्रभाव के साथ काम करने लगे,यह घटनाक्रम अपने आप में कई सवाल खड़े करता है क्या विभागीय व्यवस्था में कुछ लोग इतने प्रभावशाली हो चुके हैं कि उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई करना संभव नहीं रह गया है? और यदि ऐसा है,तो फिर इस पूरे सिस्टम में निष्पक्षता की उम्मीद कितनी यथार्थ है? इन दोनों पहलुओं को जोड़कर देखें, तो नकली दवा कांड केवल अवैध कारोबार का मामला नहीं,बल्कि एक ऐसे तंत्र की कहानी बन जाता है, जहां कार्रवाई से ज्यादा चर्चा 'संरक्षण' और 'प्रभाव' की हो रही है।

एनएसयूआई की भूमिकाः विरोध या 'मैनेजमेंट'?

अब फिर लौटते हैं एनएसयूआई पर प्रश्न यही है क्या यह विरोध निष्पक्ष है? अगर मामला इतना बड़ा है,तो विरोध भी व्यापक होना चाहिए, लेकिन यहां विरोध एक व्यक्ति तक सीमित है,इससे यह धारणा बनती है कि कहीं यह विरोध 'मैनेज' तो नहीं किया जा रहा? कुछ सूत्र तो यह भी संकेत देते हैं कि कुछ अधिकारी और बाहरी प्रभावशाली लोग इस विरोध की दिशा तय कर रहे हैं।

सच और चयन के बीच फंसा मामला

नकली दवा कांड अब एक ऐसा प्रकरण बन चुका है,जहां सच सामने है सवाल भी सामने हैं लेकिन जवाब कहीं नहीं हैं जब कार्रवाई चयनात्मक हो,विरोध सीमित हो,और जांच पर भरोसा डगमगाने लगे,तो यह मामला सिर्फ अपराध का नहीं रहता— यह पूरे सिस्टम की साख का मामला बन जाता है,अंत में सवाल वही 'क्या यह सच की लड़ाई है,या सिर्फ एक चेहरे की?'

रामअवतार जग्गी हत्याकांड : सुप्रीम कोर्ट में अमित जोगी की याचिकाएं टैग 23 अप्रैल को संयुक्त सुनवाई

रायपुर,20 अप्रैल 2026। रामअवतार जग्गी हत्याकांड मामले में उम्रकैद की सजा पाए पूर्व विधायक अमित जोगी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर सोमवार को अहम सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत में दो अलग-अलग याचिकाएं विचाराधीन रहीं, जिनमें एक याचिका हाईकोर्ट के आदेश के तहत सरेंडर पर रोक लगाने से संबंधित चैंबर में दाखिल की गई थी, जबकि दूसरी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की दो नंबर बेंच में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दोनों मामलों को एक साथ टैग कर दिया और आगे की संयुक्त सुनवाई की तारीख 23 अप्रैल निर्धारित की। अदालत ने स्पष्ट किया कि सरेंडर से संबंधित किसी भी प्रकार की अंतरिम राहत इस स्तर पर नहीं दी जाएगी और संबंधित आवेदन पर निर्णय चैंबर जज द्वारा किया जाएगा। इस दौरान मृतक रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी के वकील भी अदालत में मौजूद रहे और उन्होंने पक्ष रखा। बेंच ने फिलहाल मामले में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए अगली सुनवाई तक स्थिति यथावत रखने का निर्देश दिया। सुनवाई के बाद अमित जोगी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने उनके दोनों मामलों को एक साथ टैग कर दिया है। इसमें दिनांक 25.03.2026 के लीव टू अपील आदेश के विरुद्ध दायर एसएलपी और 02.04.2026 के उच्च न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध वैधानिक अपील शामिल है।

महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस को घेरा...

छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएंगे सीएम

रायपुर,20 अप्रैल 2026। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने आज राजधानी रायपुर में विशाल 'आक्रोश रैली' निकाली। भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत पार्टी के दिग्गज नेता और हजारों की संख्या में महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं। 'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' में सीएम साय ने घोषणा की कि इस मुद्दे पर विपक्ष के अड़ियल रुख के खिलाफ छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा और सदन में निंदा प्रस्ताव पारित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रैली के समापन पर कड़े शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार महिलाओं के उत्थान के लिए

निर्णय ले रहे हैं, लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को पास नहीं होने दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ की माताएं और बहनें इस अपमान से आक्रोशित हैं, जिसका जवाब विधानसभा के विशेष सत्र में निंदा प्रस्ताव के जरिए दिया जाएगा। यह रैली छत्तीसगढ़ में महिला वोट बैंक को साधने और आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को रक्षात्मक स्थिति में लाने की बड़ी राजनीतिक कोशिश है। आगामी चुनावों से पहले 'नारी शक्ति' के अपमान को मुद्दा बनाकर बीजेपी प्रदेश के बड़े वर्ग को अपने पाले में करने की रणनीति पर काम कर रही है।

इंडोर स्टेडियम से निकली हुंकार : राजधानी के इंडोर स्टेडियम से शुरू हुई इस आक्रोश रैली में महिलाओं का जबरदस्त हुजूम देखने को मिला। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस विरोधी नारे लगाए और महिला आरक्षण बिल के मार्ग में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस दौरान कहा कि बीजेपी महिलाओं को उनका हक देने के लिए प्रतिबद्ध है,जबकि कांग्रेस ने हमेशा उनके अधिकारों का दमन किया है। रैली में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रमुखता से शिरकत की।

इसके अलावा सांसद रूपकुमार चौधरी,कमलेश जांगड़ें,और लक्ष्मी वर्मा सहित प्रदेश भर से आई महिला मोर्चा की पदाधिकारी मौजूद रहीं। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने एक सुर में कहा कि बिल पास न होने के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति जिम्मेदार है।

राष्ट्रीय राजमार्ग-130 सी पर मिला तेंदुए का शव,वन विभाग ने शुरू की जांच

मैनपुर,20 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के मैनपुर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-130 सी पर एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिलने से स्थानीय स्तर पर सनसनी फैल गई है। मैनपुर से लगभग 10-12 किलोमीटर दूर धवलपुर मार्ग पर यह घटना हुई। स्थानीय लोगों ने सूचना दिए जाने के बाद वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। धवलपुर रेंज के रेंजर कामता प्रसाद मरकाम की मौजूदगी में तेंदुए का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद नियमों के अनुसार शव का दाह संस्कार किया गया। प्रारंभिक जांच में वन विभाग की टीम ने अनुमान लगाया है कि तेंदुआ पानी की तलाश में सड़क पर आया होगा या फिर किसी तेज रफ्तार वाहन से टकरा गया होगा। हालांकि, कुछ मामलों में शिकारियों द्वारा जहर दिए जाने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं, इसलिए इस पहलू से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। वन विभाग अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके आधार पर तेंदुए की मौत के वास्तविक

कारणों का खुलासा हो सकेगा, यह घटना वन्यजीवों की सुरक्षा और राष्ट्रीय राजमार्गों पर वन्यजीवों के आवागमन को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय प्रशासन और वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)